संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक

घटती घटना

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Sarguja DN/2023-2025

www.ghatatighatana.com

ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 321 गुरूवार 25 सितम्बर 2025, पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

पटना में कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक में खरगे व राहुल गांधी समेत कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए...

राहुल गांधी हाइड्रोजन-यूरेनियम बम फोड़ने वाले हैं:जयराम रमेश

पटना,24 सितम्बर 2025 (ए)। आजादी के बाद पहली बार पटना में कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक हुई। इस मीटिंग में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी समेत कांग्रेस से सीनियर लीडर मौजूद रहे। बैठक करीब साढ़े 4 घंटे तक चली। 51 लोगों ने बैठक को संबोधित किया। मीटिंग में 2 प्रस्ताव पारित किए गए। एक राजनीतिक प्रस्ताव था। दूसरी बिहार की जनता से अपील। मीटिंग के बाद कांग्रेस नेताओं ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि, तेलंगाना में सितंबर 2023 में ऐसी ही कांग्रेस वर्किंग कमेटी की मीटिंग हुई थी और 2 महीने के अंदर कांग्रेस की सरकार बनी थी। अब पटना में काउंटडाउन शुरू हो चुका है। बिहार में महागठबंधन की सरकार बनने वाली है। राहुल गांधी के नेतृत्व में वोट चोरी के खिलाफ अभियान चला, वो अभियान जारी रहेगा। आगे एक महीने में राहुल गांधी मिनी हाइड्रोजन बम, हाइड्रोजन बम, यूरेनियम बम सहित अलग-अलग बम फोड़ने वाले हैं।

ये नकलची सरकार है,इनके पास विजन नहीं : तेजस्वी

तेजस्वी यादव ने कहा, ये नकलची सरकार है। इनके पास कोई विजन नहीं है। हम लोगों ने आप लोगों के लिए ये किया तो अब ये लोग भी नकल करेंगे। पेंशन, माई बहन योजना सभी में इन लोगों ने नकल की है। 2025 बहुत हुए नीतीश। अब बिहार को जो आगे ले जाने का काम करे वो आना चाहिए। नीतीश जी हाईजैक हो चुके हैं। अमित शाह और नरेंद्र मोदी बिहार की सरकार चला रहे हैं। तेजस्वी यादव ने कहा, मंच से हमने कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने की मांग की थी। हमने लड़ाई छेड़ी तो प्रधानमंत्री को उन्हें भारत रत्न देना पड़ा।

लाखों लोगों के वोट काटने की साजिश:खड़गे

बिहार की ही तर्ज पर अब देशभर में लाखों लोगों के वोट काटने की साजिश रची जा रही है। वोट चोरी का मतलब है-दलित,आदिवासी, पिछड़ा, अति-पिछड़ा,अल्पसंख्यक,कमजोर और गरीब के राशन की चोरी, पेंशन चोरी,दवाई चोरी,बच्चों की स्कॉलरशिप और परीक्षा की चोरी।

चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल:खड़गे

लोकतंत्र का आधार है...निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव, लेकिन आज चुनाव आयोग की निष्पक्षता और पारदर्शिता पर ही सवाल उठ रहे हैं। इसे लेकर कई खुलासे भी हुए हैं। चुनाव आयोग उन सवालों के जवाब देने के बजाय हमसे एफिडेविट मांग रहा है।

पीएम के विदेश नीति,आर्थिक नीति फेल है:भूपेश बघेल

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा,भारत के नागरिकों को अमेरिका ने बेड़ियों में जकड़कर भेजा गया। विदेश मंत्रालय ने इसका कोई विरोध नहीं किया। प्रधानमंत्री की विदेश नीति, आर्थिक नीति,पड़ोसियों से संबंध फेल है। बिहार में डबल इंजन की सरकार का रिंग इंजन खराब हो चुका है। धुंआ फेक रहा है। इसे इलाज की जरूरत है।

हाईड्रोजन बम लाने का कहा था वो आएगा:राहुल

राहुल गांधी ने कहा,भाजपा संविधान को खत्म कर रही है। मैंने हाइड्रोजन बम की बात की थी वो आएगा। वो आएगा और फिर आपको भाजपा की सच्चाई,जो इन्होंने पूरे देश में किया है बिहार में करने की कोशिश कर रहे थे,लेकिन युवाओं ने इनको रोक दिया है उसकी सच्चाई सबको पता लगेगी।

हमे अति पिछड़ी जातियों को ऊपर उठाना है:खड़गे

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा,ये जो संकल्प है,वो सभी एक होकर यह संकल्प पत्र तैयार किए है। हमें ऐसे जातियों को ऊपर उठाना है, जो सभी चीजों से वंचित है। आज सभी नेताओं ने ठान लिया है,यह सभी संकल्प सरकार बनाने के बाद लागू करेंगे।

वोट चोरी के खिलाफ अभियान जारी रहेगा : रमेश

जयराम रमेश ने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में वोट चोरी के खिलाफ अभियान चला,वो अभियान जारी रहेगा। आगे एक महीने में राहुल गांधी मिनी हाइड्रोजन बम, हाइड्रोजन बम, यूरेनियम बम सहित अलग-अलग बम फोड़ने वाले हैं।

इस साल बिहार में बदलाव निश्चित है : सचिन पायलट

कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने कहा,जाति जनगणना होगी तो उसके आंकड़ों के आधार पर हम कई तरह के काम कर सकते हैं। आर्थिक मापदंड भी बनेगा। राहुल गांधी की मांग पर केंद्र सरकार को झुकना पड़ा ।

कला संवेदनशील समाज के निर्माण का एक सशक्त माध्यम : द्रौपदी मुर्मु

नई दिल्ली, 24 सितम्बर 2025 (ए)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बुधवार को कहा कि भारतीय परंपरा में कला को लंबे समय से एक आध्यात्मिक साधना माना जाता रहा है। कला न केवल सौंदर्यबोध का माध्यम है,बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध बनाने और एक अधिक संवेदनशील समाज के निर्माण का एक सशक्त माध्यम भी है। राष्ट्रपति बुधवार को अंतरराष्ट्रीय आंबेडकर केन्द्र में ललित कला अकादमी द्वारा आयोजित 64वीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी के पुरस्कार समारोह को संबोधित कर रही थी। इस मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और विश्वास व्यक्त किया कि उनका काम अन्य कलाकारों को प्रेरित करेगा। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि कलाकार अपने विचारों, दृष्टि और कल्पना के माध्यम से एक नए भारत की छवि प्रस्तुत कर रहे हैं। राष्ट्रपति ने इस बात पर बल दिया कि कलाकार कला सृजन के लिए अपना समय, ऊर्जा और संसाधन लगाते हैं। उनकी कलाकृतियों का उचित मूल्य कलाकारों और कला को पेशे के रूप में अपनाने के इच्छुक लोगों को प्रोत्साहित करेगा।

कछार में 90 करोड़ की ड्रग्स के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

कछार,24 सितम्बर 2025 (ए)। असम के कछार जिले में पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई में 90 करोड़ की ड्रग्स जब्त की। पुलिस ने पड़ोसी राज्य से आ रही एक गाड़ी को रोककर उसमें से तीन लाख याबा (मेथैम्फेटामाइन और कैफीन का मिश्रण) टैबलेट बरामद किए। इस दौरान दो ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने इस कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि अब तस्करों का जेल ही ठिकाना होगा। असम पुलिस ने पिछले कुछ महीनों से राज्यभर में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान तेज कर रखा है। कछार पुलिस मुख्यालय में बुधवार शाम आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए एसएसपी नोमल महत्ता ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कछार पुलिस ने धोलाई पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत ढोलाखाल सीमा चौकी के सामने ढोलाखाल में मादक पदार्थों के अवैध परिवहन के खिलाफ एक विशेष अभियान चलाते हुए एक पिकअप वाहन (एएस-01पीसी-8976) को रोका।

लेह में हिंसक प्रदर्शन:4 की मौत,72 घायल

राज्य का दर्जा मांग रहे प्रदर्शनकारियों ने लेह में भाजपा ऑफिस जलाया,शहर में मार्च-रैली बैन

लेह,24 सितम्बर 2025 (ए)। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर लेह में बुधवार को हिंसक प्रदर्शन हुआ। छात्रों की पुलिस और सुरक्षाबलों से झड़प हो गई। इसमें 4 लोगों की मौत हो गई और 70 से ज्यादा लोग घायल हैं। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने पुलिस पर पत्थरबाजी की। भाजपा ऑफिस और सीआरपीएफ की गाड़ी में आग लगा दी। उधर, प्रशासन ने लेह में बिना अनुमति रैली, प्रदर्शन पर बैन लगा दिया है। ये छात्र सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक के समर्थन में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। वांगचुक पिछले 15 दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे थे। मांगें पूरी न करने के विरोध में प्रदर्शनकारियों ने आज बंद बुलाया था। इसी दौरान हिंसा हुई।

वांगचुक बोले...हिंसा का कारण युवाओं में बढ़ती नाराजगी

सोनम वांगचुक ने लेह में हुई हिंसा पर दुःख जताया। उन्होंने कहा कि युवाओं में बढ़ती नाराजगी इस हिंसा का कारण बनी।उन्होंने बताया कि मंगलवार को एक 72 साल के आदमी और 62 साल की महिला को घायल होने पर अस्पताल ले जाना पड़ा था। यह घटना हिंसा का मुख्य कारण बनी। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन का कोई असर न होने से युवाओं में गुस्सा बढ़ा। कुछ रिपोर्ट में कहा गया है कि 3 से 5 युवाओं की मौत हुई।

हिंसा के बाद वांगचुक ने अनशन तोड़ते हुए कहा : यह लद्दाख के लिए दुख का दिन है। हम पांच साल से शांति के रास्ते पर चल रहे थे। अनशन किया, लेह से दिल्ली तक पैदल चलकर गए। आज हम शांति के पैगाम को असफल होते हुए देख रहे हैं। हिंसा, गोलीबारी और आगजनी हो रही है। मैं लद्दाख की युवा पीढ़ी से अपील करता हूं कि इस बेवकूफी को बंद करें। हम अपना अनशन तोड़ रहे हैं, प्रदर्शन रोक रहे हैं। लेह एपेक्स बॉडी के अध्यक्ष चेरिंग दोरजे ने बताया कि शहर में भारी गोलीबारी हुई। इसमें कई लोग घायल हुए और अब तक 4 लोगों की जान जा चुकी है। उन्होंने बताया, लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) की युवा इकाई लद्दाख बंद का आयोजन किया था। अनशन पर बैठे 2 लोगों की तबीयत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल ले जाना पड़ा है।

पुलिस-प्रदर्शनकारियों की झड़प

लेह हिल काउंसिल के सामने आंदोलनकारियों को रोकने के लिए बैरिकेड्स लगा रखे थे। जब आंदोलन कारी आगे बढ़े तो पुलिस ने आंसू गैस छोड़ी, लेकिन भीड़ ने पुलिस की गाड़ी जलाई और तोड़फोड़ की। प्रदर्शन के बाद जिला मजिस्ट्रेट ने आदेश जारी किया कि लेह में पहले से लिखित अनुमति के बिना कोई जुलूस, रैली या मार्च नहीं निकाला जाएगा। जिले में पांच या अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

कैबिनेट बैठक में बड़ा फैसला:रेलवे कर्मचारियों को मिलेगा अब 78 दिनों का दिवाली बोनस

नई दिल्ली,24 सितम्बर 2025 (ए)। केंद्रीय कैबिनेट में बुधवार को 10.90 लाख रेलवे कर्मचारियों को उत्पादकता आधारित बोनस (पीएलबी) को मंजूरी दे दी। यह बोनस दिवाली से पहले कर्मचारियों के अकाउंट में भेजा जाएगा। इसके लिए 1865 करोड़ 68 लाख रुपये के भुगतान को स्वीकृति दी गई है। केंद्रीय कैबिनेट ने बिहार के बख्तियारपुर-राजगीर और झारखंड के तिलैया के बीच 104 किलोमीटर की रेल दोहरीकरण परियोजना को भी मंजूरी दी है। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को कैबिनेट के इस फैसले की जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आज

10 लाख 91 हजार 146 रेलवे कर्मचारियों को 78 दिनों के उत्पादकता से जुड़े बोनस (पीएलबी) के रूप में 1865 करोड़ 68 लाख रुपये के भुगतान को स्वीकृति दी। रेलवे कर्मचारियों के बेहतर कामकाज को मान्यता देते हुए यह मंजूरी दी गई है।उन्होंने बताया कि केंद्रीय कैबिनेट ने बिहार के बख्तियारपुर-राजगीर और झारखंड के तिलैया के बीच 104 किलोमीटर की रेल दोहरीकरण परियोजना को भी मंजूरी दी है। इस पर करीब 2,192 करोड़ रुपये की लागत आएगी। केंद्रीय कैबिनेट ने बिहार के लिए लगभग छह हजार करोड़ रुपये की योजनाओं को मंजूरी दी है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि यह बोनस रेलवे कर्मचारियों के 78 दिनों के वेतन के बराबर है। हर साल दुर्गा पूजा, दशहरा की छुट्टियों से पहले पात्र रेल कर्मचारियों को पीएलबी का भुगतान किया जाता है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष लगभग 10 लाख 91 हजार अराजपत्रित रेल कर्मचारियों को 78 दिनों के वेतन के बराबर पीएलबी राशि का भुगतान किया जा रहा है।

जम्मू-कश्मीर और पंजाब में राज्यसभा उपचुनाव का ऐलान

नई दिल्ली,24 सितम्बर 2025 (ए)। चुनाव आयोग ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर की चार और पंजाब की एक खाली राज्यसभा सीटों पर उपचुनाव की घोषणा की। जम्मू-कश्मीर की सीटें फरवरी 2021 से खाली हैं, जब गुलाम नबी आजाद, नजीर अहमद लवाय, फयाज अहमद मीर और शमशेर सिंह मन्हास का कार्यकाल समाप्त हुआ था। वहीं, पंजाब की सीट जुलाई 2025 में संजीव अरोड़ा के इस्तीफे के बाद खाली हुई, जिन्होंने पंजाब विधानसभा चुनाव जीतने के बाद राज्यसभा छोड़ी। चुनाव

आयोग के अनुसार, मतदान और मतगणना 24 अक्तूबर को पूरी होगी। मतदान सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक होगा, और मतगणना शाम 5 बजे से शुरू होगी। नोटिफिकेशन 6 अक्तूबर को जारी होगा, नामांकन की अंतिम तारीख 13 अक्तूबर है।

झारखंड पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी

गुमला में इनामी छोटू समेत 3 नक्सली ढेर

गुमला,01 सितम्बर 2025 (ए)। झारखंड के गुमला जिले की पुलिस ने झारखंड जन मुक्ति परिषद (जेजेएमपी) के तीन उग्रवादियों को मुठभेड़ में मार गिराया है। यह मुठभेड़ बुधवार सुबह जिले के बिशनपुर थाना क्षेत्र के केचकी जंगल में हुई। मारे गए उग्रवादियों में लोहरदगा के सेनहा के रहने वाले लालू लोहरा, सुजीत उरांव और लातेहार के होशिर का रहने वाला छोटू उरांव शामिल है। सब जोनल कमांडर लालू लोहरा और दूसरा सब कमांडर छोटू उरांव पर पांच-पांच लाख का इनाम घोषित था। एसपी हारिश बिन जमां ने तीन उग्रवादियों के मारे जाने की पुष्टि करते हुए कहा कि घटनास्थल से तीन हथियार भी बरामद किए गए हैं। इनमें एके 56 राइफल, एसएलआर और इंसास राइफल

शामिल है। सुरक्षा बल के जवान इलाके में सर्च अभियान चला रहे हैं। इससे पहले गुमला एसपी हरिश बिन जमा को सूचना मिली थी कि जेजेएमपी संगठन के कुछ उग्रवादी किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के लिए बिशनपुर इलाके में जमा हुए हैं। सूचना के बाद झारखंड जगुआर और गुमला जिला बल की एक संयुक्त टीम का गठन किया गया। टीम ने इलाके में सर्च अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस की टीम जैसे ही केचकी जंगल में पहुंची, उग्रवादियों ने उन पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की, जिसमें तीन उग्रवादी मारे गये और एक को गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस ने कहा...

झारखंड के आईजी ऑपरेशन माइकलराज एस ने कहा कि हमें गुमला जिले में जेजेएमपी (झारखंड जन मुक्ति परिषद) उग्रवादियों की मौजूदगी के बारे में विशेष जानकारी मिली थी. उस जानकारी के आधार पर, हमने कल शाम झारखंड जगुआर-हमारी एसटीएफ और गुमला पुलिस को शामिल करके ऑपरेशन शुरू किय।.सुबह करीब 8 बजे, दोनों तरफ से गोलीबारी हुई। उसके बाद 3 जेजेएमपी उग्रवादी मारे गए. इनमें 2 सब-जोनल कमांडर और 1 एरिया कमांडर शामिल थे। उन्होंने कहा, हमने मौके से एक एके-47, एक एसएलआर और एक इंसास बरामद किया है। ऑपरेशन जारी है।

मुंबई में गैस सिलेंडर फटने के बाद आग लगने से सात लोग घायल

नई दिल्ली,24 सितम्बर 2025 (ए)। मुंबई में बुधवार सुबह गैस सिलेंडर फटने के बाद एक दुकान में आग लगने से छह महिलाएं और एक पुरुष गंभीर रूप से झुलस गए। यह जानकारी स्थानीय निकाय के अधिकारियों ने दी। उन्होंने बताया कि घटना में तीन लोग लगभग 90 प्रतिशत तक जल गये हैं।

कांदिवली (पूर्व) में मिलिट्री रोड पर अकुरली मेंटेनेंस चौकी के पास राम किसान मेस्त्री चॉल की दुकान में सुबह 9.05 बजे आग लग गई। एक नगर निगम अधिकारी ने बताया कि आग एक मंजिला दुकान में बिजली के तारों, खाद्य पदार्थों,एलपीजी सिलेंडर और गैस स्टोव तक ही सीमित थी। अधिकारियों के अनुसार, इसमें सात लोग घायल हो गये हैं। एक अग्निशमन अधिकारी ने बताया, आग गैस सिलेंडर फटने के कारण लगी।

वायु प्रदूषण की समस्या का स्थायी समाधान जैव ईंधन:नितिन गडकरी

नई दिल्ली,24 सितम्बर 2025 (ए)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि दिल्ली सहित देश के कई शहर गंभीर वायु प्रदूषण की चपेट में हैं, जिनमें वाहन सबसे बड़ा कारण हैं। दिल्ली के वायु प्रदूषण में 40 प्रतिशत योगदान वाहनों का है और इस समस्या का स्थायी समाधान केवल वैकल्पिक ईंधन यानी जैव ईंधन ही है। गडकरी ने बुधवार को भारत जैव ऊर्जा एवं प्रौद्योगिकी एक्सपो के उद्घाटन समारोह में कहा कि जैव ईंधन नीति का आधार कच्चे तेल का प्रतिस्थापन, प्रदूषण मुक्त वातावरण और घरेलू आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए स्वदेशी ऊर्जा का उपयोग तीन मिशनों पर टिका है। किसी भी समाज की मजबूती के लिए अर्थव्यवस्था, पारिस्थितिकी और पर्यावरण तीन स्तंभ होते हैं। आज

पूरी दुनिया पारिस्थितिकी और पर्यावरण से जुड़ी चुनौतियों का सामना कर रही है। उन्होंने कहा कि कृषि को ऊर्जा और बिजली उत्पादन की ओर मोड़ना समय की मांग है, क्योंकि जीवाश्म ईंधन की तुलना में जैव ईंधन काफी सस्ता विकल्प है। भारत को इथेनॉल का अधिशेष उत्पादन निर्यात करने पर विचार करना चाहिए। हम पेट्रोलियम और वित्त मंत्रियों से इस पर चर्चा करेंगे। इथेनॉल का उत्पादन 70 प्रतिशत खाद्यान्न से हो रहा है, जो भी अधिशेष है। भारत को जैव ईंधन उत्पादन में अग्रणी बनना चाहिए। उन्होंने सोशल मीडिया पर ई-20 और इथेनॉल कार्यक्रम के खिलाफ चल रहे अभियानों को निहित स्वार्थों का सशुल्क प्रयास बताया और कहा कि लोग सच्चाई समझते हैं। हम दिल्ली में लोगों की जीवन प्रत्याशा 10 साल बढ़ाएंगे और इसके लिए जैव ईंधन बेहद महत्वपूर्ण है।

25 SEPTEMBER 2025 AMBIKAPUR GG NEWS PAPER_Layout 2 9/24/2025 11:39 PM Page 2

संपादकीय

कौशल विकास में निजी-सरकारी तालमेल और निगरानी की चुनौती

राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) में उत्पन्न संकट भूमिकाओं के बीच तालमेल के अभाव एवं पर्याप्त निगरानी के बिना किसी निजी-सार्वजनिक साझेदारी (पीपीपी) प्रारूप पर आधारित संस्थान शुरू करने से जुड़े जोखिमों को रेखांकित करता है। एनएसडीसी में यह संकट पिछले एक वर्ष से चल रहा है। इस वर्ष मई में इसके मुख्य कार्य अधिकारी (सीईओ) को पद से हटा दिया गया। उन पर वित्तीय अनियमितताओं के आरोप थे और उनके खिलाफ अन्य शिकायतें भी आई थीं। खबरों में कहा गया कि ऋणों के आवंटन एवं उनकी वसूली में जरूरी सावधानियां एवं पारदर्शिता नहीं बरती गई थीं। खबरों के अनुसार कई अस्तित्वहीन केंद्रों या बार-बार ऋण चूक करने वाले लोगों को भी ऋण आवंटित किए गए थे। ये विवाद ऐसे समय में सामने आए जब भारतीय श्रमबल में हुनर की कमी दूर करने और इस खाई को पाटने की तत्काल जरूरत महसूस की जा रही थी। भारतीय श्रम बल में हुनर की कमी की शिकायत कंपनी जगत लंबे समय से कर रहा है। एनएसडीसी का विचार अपने आप में निर्विवाद था। वर्ष 2008 में पीपीपी तर्ज पर गैर-लाभकारी संस्थान के रूप में इसकी स्थापना हुई थी जिसमें सरकार की 51 फीसदी हिस्सेदारी थी जबकि निजी क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले नैसकॉम, भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) और भारतीय उद्योग एवं वाणिज्य महासंघ (फिक्की) की 49 फीसदी हिस्सेदारी थी। एनएसडीसी का आरंभिक उद्देश्य कौशल विकास कार्यक्रम चलाने वाले संस्थानों को वित्तीय समर्थन उपलब्ध करने वाली एक इकाई के रूप में काम करना था। उस समय पीपीपी की संकल्पना काफी चलन में थी। निजी क्षेत्र की भागादारी का प्रावधान करने का मुख्य मकसद एनएसडीसी के अंतर्गत प्रशिक्षित लोगों के लिए एक स्तर तक रोजगार सुनिश्चित करना था। यह कहना उचित ही होगा कि निजी क्षेत्र के कई बड़े दिग्गजों की निगरानी के बावजूद एनएसडीसी को साधारण सफलता ही हाथ लगी। यह संभवतः सरकारी और निजी क्षेत्र की प्रक्रियाओं में तालमेल के अभाव का नतीजा था। उस समय रोजगार बाजार में सुस्ती भी एक और वजह थी। वर्ष 2015 तक एनएसडीसी के कार्यों के विस्तार से नई चुनौतियां खड़ी हो गईं।

स्किल इंडिया मिशन की शुरुआत के साथ एनएसडीसी विभिन्न प्रकार के हुनर के लिए प्रमुख कार्यान्वयन एजेंसी बन गई। मगर इस कार्य को यथोचित ढंग से निपटाने के लिए कई प्रकार के प्रबंधकीय क्षमताओं की आवश्यकता थी। स्किल इंडिया मिशन के अंतर्गत चार प्रमुख योजनाएं हैं जिनके तहत कई संस्थान आते हैं। उदाहरण के लिए हुनर बढ़ाने और पुनर्कौशलीकरण के लिए प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) शुरू की गई, जो 2,500 से अधिक केंद्रों में चलाए जा रहे हैं। इसके अलावा राष्ट्रीय प्रशिक्षुता संवर्द्धन योजना भी लाई गई जो आंशिक रूप से नियोक्ताओं को बुनियादी प्रशिक्षण देने के लिए वित्तीय मदद देती है। इस योजना से करीब 49,000 से नियोक्ता जुड़े हैं। इनके अलावा शिल्पकार प्रशिक्षण योजना आदि हैं जो औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों द्वारा चलाए जा रही हैं। एक विदेशी शाखा विदेश में भी कर्मचारियों को रोजगार दिलाने में मदद करती है जैसा कि हाल में इजरायल के लिए निर्माण कामगारों के मामले में किया गया। किसी अलाभकारी संस्था में कार्यरत 200 लोगों के लिए इतनी सारी जिम्मेदारियां काफी अधिक हैं खासकर तब जब प्रत्येक योजना के लिए संस्थानों में गहरी समझ की जरूरत है। इसे देखते हुए अगर रोजगार दिलाने का एनएसडीसी का रिकॉर्ड साधारण रहा है तो इसमें कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए। प्रशिक्षण की गुणवत्ता पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। इस पूरे मामले की गंभीरता को देखते हुए कौशल विकास प्रदान करने वाले ढांचे के संपूर्ण पुनर्गठन की जरूरत है।

शक्ति उपासना में मन,वाणीं और शरीर शुद्धि से साधना सिध्दी संभव

देवीभागवत पुराण में शक्ति शब्द का अर्थ पराक्रम होता है जो ऐश्वर्य और पराक्रम को देनेवाली है वही शक्ति कहलाती है। शक्ति या प्रकृति के मुख्य दो भेद परा और अपरा इस शक्तिके मुख्य हैं (1) परा और (2) अपरा। उनकी उत्पत्ति,स्थिति और लयका विस्तृत विवरण मिलता है। सृष्टिकी उत्पत्तिका मूल कारण है,यही आद्या-शक्ति है। इस शक्तिके प्रकृति-भागका मुख्य कार्य सबकों अनेक रूपों में प्रकाशित करने के निमित प्रथम उपयुक्त उपाधियाँ प्रस्तुत करना है फिर उन उपाधियोंके रजोगुण-तमोगुण-भावको शुद्ध सात्विकमें परिवर्तित कर ऐसा स्वच्छ,निर्मल,शुद्ध बना देना है,जिसमें ब्रह्मके दिव्य गुण,सामर्थ्य,ऐश्वर्य,विभूति आदि जो प्रत्येक जीवात्मा में बीज-रूपमें निहित (गुप्त) हैं,उनका पराशक्ति के आश्रय से विकास हो और फिर उसके द्वारा जीव और ब्रह्म में सम्बन्ध स्थापित हो। यह सम्बन्ध शक्तिद्वारा स्थापित होता है।

आत्माराम यादव पीव
वरिष्ठ पत्रकार

संसार में चौरासी लाख योनियों में मनुष्य का जीवन सर्वश्रेष्ठ माना गया है। जगतगुरु श्रीआद्यशंकराचार्य जी ने विवेक -चूडामणि के प्रारम्भ में कहा है-

लब्ध्या कथंश्चित्वरजन्म दुर्लभं
तत्रापि पुंस्त्वं श्रुतिपारदर्शनम्
यस्त्वात्ममुक्तौ न यत्तेत मूढधीः
स ह्यात्महा स्वं विनिहन्त्यसद्ग्रहात् ।।

अर्थात-सर्वश्रेष्ठ मनुष्यजन्म,विद्या,योग्यता आदि प्राप्त करके भी जो मनुष्य आत्ममुक्ति के लिये प्रयत्न नहीं करता, उस मूढ़ का जीवन आत्महत्या के समान होता है। अतःमनुष्य को आत्म-मुक्ति के लिये आवश्यक रूप से प्रयास करते रहना चाहिए, जो नवरात्री में करोड़ों भक्तों के द्वारा प्रतिदिन व्रत धारण कर जगह जगह प्रतिष्ठित मुर्तिओं और खेडापति देवी व् अन्य शक्तिपीठों में स्नान, जल चढ़ाने, पूजा पाठ, यज्ञ-आहुति,जवाहरे की सेवा करने व् इनके दर्शन लाभ एवं श्रध्दापूर्वक आरती और गरबा नृत्य का सामूहिक भव्य आयोजन करते देखा जा सकता है। शक्ति की उपासना सभी और से मोक्ष देने वाले पुरषार्थ की साधना है जो परम लक्ष्य मोक्ष की प्राप्ति का सहज और सरल मार्ग है किन्तु नवदुर्गा के विभिन्न स्वरूपों को आराध्य बनाकर उनकी साधना और उपासना करते समय साधक को पुरे समय में शरीर, वाणी और मन को निमज्जित कर शुद्ध करने के पश्चात ही वह देवी की सिद्धियों के साथ माँ की कृपा प्राप्त कर सकता है। देश-विदेश में इस आश्विन माह की नवरात्री पर लाखों नहीं करोड़ों साधक देवी की उपासना में डूबे हुए है और किन्तु कितने लोग है जो उपासना का अर्थ समझते है और उपासना हेतु मन से,तन से और शरीर से उपासना कर रहे है, यह आत्मचिंतन का विषय है? उपासना शब्दका अर्थ है-पास में बैठना, उप+आसना उपासना दो शब्दों से बनता है। उपासना का बिषय कुछ भी हो सकता है-जैसे धन,मान,लोक-परलोककी कोई भी वस्तु । जो जिस वस्तु को चाहता है,उसका मन उस वस्तु के पास में रहता है, उसी की उपासना होती है; परंतु वास्तव में उपासना होनी चाहिये सत्य-तत्व की अधिष्ठाता परम शक्ति की और साथ ही अपने परम आराध्य की, नवदुर्गा के समस्त स्वरूप-रूप और नामों की,या कह सकते है की सभी को परमात्मा के विभिन्न नाम स्वरूप आदि की उपासना करनी चाहिये किन्तु कितने साधक है जो पुरे समय अपने घर परिवार के पृथक-अपने कार्य व्यवसाय.नौकरी रोजगार में होते हुए उपवास-व्रत रखकर निराहार रहकर अथवा व्रत के नाम पर भरपेट फलाहार करके शक्ति की साधना में लगा है और मन, वाणी और शरीर को सयंमित न रख कामोत्तेजना से भरा है, वह साधक-उपासक किस प्रकार सिद्धियों पर जय प्राप्त कर सकता है, सभी साधक अपनी पूजा पाठ, आराधना और उपासना में खुद का मुल्यांकन कर सकते है की वे शक्ति की भक्ति में कहाँ खड़े है, क्या वे शक्ति के पास उनकी गोद में है या दिखावे में भक्तराज का चोगा पहने वे खुद से कितने दूर है? उपासना कैसी हो, जिसमें भक्त का कल्याण और मोक्ष प्राप्त हो सके इसका प्रत्यक्ष संकेत भगवान श्रीकृष्ण गीता अध्याय तेरह में वर्णन कर उपासना के तीन प्रकार के गुणों की सीख देते है-वे जो परमात्मा, जीवात्मा और प्रकृति के सत्य और तीनों गुणों की प्रकृति को समझ लेते हैं वे पुनःजन्म नहीं लेते। उनकी वर्तमान स्थिति चाहे जैसी भी हो,वे मुक्त हो जाते हैं। अब नवरात्री के इस अवसर पर समूचे देश में सनातनी लोग नवदुर्गा के स्वरूपों की पूजा उपासना कर उनसे शक्ति पाने हेतु लगे हुए है किन्तु कितने लोग ध्यानयोग के द्वारा देवी की भक्ति कर उनसे साक्षात्कार करते हैं, या ज्ञानयोग अथवा कर्मयोग से शक्ति की कृपा पाते है? क्या सच में इस समय शक्ति की आराधना में लगे भक्त मन,वचन, कर्म से गीता में कहे गए उपासना के तीन मार्ग का अनुगमन कर सत्य-तत्त्व की प्राप्ति में सफल होते दिखाई देते है, आपका जबाव नकारात्मक होगा किन्तु उपासना एक तप है जिसमें शरीर, मन और इन्द्रियों पर जय पाकर ही सच्ची उपासना की जा सकती है और उसी क्रम में व्रत आदि अनुष्ठानों में भी इमानदार होना आवश्यक है तभी साधक के व्रत और साधना पूर्ण हो पाती है, अब तक करोड़ों लोग उपासना आदि करते है किन्तु वे अपूर्णता के प्रतिगामी होने से न तो खुद का कल्याण कर पाते है और न ही देश में स्थिरता आदि इनके प्रयासों से संभव नही हो सकी है। यह सच है कि शक्ति की देवी महामाया दुर्गा-काली आदि परम शक्तियां है, वे ही इस सृष्टि की परा- अपरा शक्ति है, परमात्मा है। इन्ही शक्तिओं की उपासना कर रहे उपासक, इन शक्तियों के स्वरूपं की उपासना में जब तक इनके पास नहीं बैठेंगे सारी उपासना व्यर्थ है, किन्तु काम क्रोध मोह लोभ और वासना की वृति से ग्रसित ये उपासक न तो अपने शरीर की शुद्धि में खरे उतरते है और न ही जिव्हा से निकलने वाली वाणी में सत्यासत्य विराजित होता है और न ही मन इनके वशीभूत होता है, परिणामस्वरूप लाखों में एक-दो उपासक ही सफल होते है,शेष शक्ति की उपासना अहंकार में खुद का नुकसान करते है। यही सृष्टि का उद्देश्य है जिसको आद्या-शक्ति नाना रूपोंके द्वारा पूरा कर रही हैं। आद्या-शक्तिकी शक्ति प्रत्येक व्यक्ति चाहे वह उपासक हो या न हो सबके अन्दर पायी जाती है। इसी कारण यह शक्ति ही यथार्थ जंगन्माता हैं। नवदुर्गा इस जगत की पराशक्ति शक्ति ही नही अपितु अपरा शक्ति भी है जो ब्रह्म की सत्ता और महाचैतन्य होने के कारण ब्रह्म से सदा अभिन्न हैं। ब्रह्मका ज्ञान-ध्यान करानेवाली, उनके साथ सम्बन्ध स्थापित करानेवाली और उनके सच्चिदानन्द-भावको प्रकट करनेवाली यही परा शक्ति हैं; अन्यथा न तो कोई अप्रमेय,अज्ञात,अज्ञेय ब्रह्मको जान सकता और न पा सकता है। देव,पितृ, ऋषि, रुद्र, बसु, मनु, सनकादि आदि चराचर विश्व,यहाँ तक कि ब्रह्माण्ड के अधिनायक त्रिदेवों का निकास इन्हीं पराशक्ति के द्वारा हुआ है;इन्हीं के द्वारा वे स्थित है और इन्हीं की शक्ति,ज्ञान,बल के द्वारा वे सब-के-सब कार्य करते हैं,अन्यथा स्वयं कोई कुछ नहीं कर सकता । विश्व में व्यक्त भाव में जितने नाम-रूपात्मक अथवा अन्तरिक्ष में जितने अनाम और अरूपात्मक विकास हैं और जहाँ कहीं भी जो कुछ क्रिया हो रही है वे सब केवल शक्ति की इसी उपासना का प्रतिफल है अथवा यो कहिये कि ब्रह्म भी शक्ति ही है, जैसा कि श्रीदेवीभागवतका वचन है-एवं सर्वगता शक्तिः सा मह्येति विविष्यते । (1।8।34) ब्रह्म की प्राप्तिके लिये वेद ने केवल गायत्री की उपासना को ही एकमात्र उपाय बताया है। इसी सिद्धान्तके अनुसार ब्रह्म के अन्य रूप विष्णु, शिव, राम, कृष्ण आदि की प्राप्ति उनकी शक्ति लक्ष्मी, दुर्गा, सीता, राधा आदि के सम्बन्ध और कृपा की प्राप्ति के बिना हो नहीं सकती ।

मनुष्य का परम धर्म है कि सत्त्वगुण की बुद्धि-शक्ति की सहायता से यह तम और रज का निग्रह करे अर्थात् तम और रज का बलिदान कर उन्हें सत्त्व में परिणित करे। इसके बाद सत्त्व को भी अतिक्रमित कर पराविद्या के तेज का लाभ प्राप्त करे और इस प्रकार गुणातीत होकर ब्रह्म की प्राप्ति करे । शक्ति-उपासना का मुख्य उद्देश्य मनुष्यके पशु-स्वभाव अर्थात् रज और तम के विकार को दिव्य भाव में परिवर्तित करना है। ऐसा परिवर्तन तमोगुण-रजोगुणरूप पशु-स्वभाव अर्थात् हिंसा, काम, क्रोध, लोभ, मोह, मत्सर, मान, ईर्ष्या आदि आसुरी सम्पदा का बलिदान पराविद्या को समर्पित करने से होगा अर्थात् आसुरी सम्पत्ति को पराविद्या दैवी सम्पत्ति के रूप में परिणत करने से होगा। इस त्याग-बलिदान का नाम यज्ञ है। इन्द्रियों के व्यापक रूप से केवल अपना कामात्मक और रागात्मक स्वार्थ साधन करना पशु-भाव है, जिसके कारण प्रायः दूसरेकी हिंसा, क्षति करनी पड़ती है, जैसा कि बड़े पशु छोटेके साथ करते हैं। देवी की इस उपासना में उपासकों को अपने अहम को भस्मीभूत कर अपनी दसों इन्द्रिय और ग्यारहवें मन के तम-रजके विकाररूप पशुभाव का हनन अथवा स्वाहा कर उनको परा प्रकृति माँ शक्ति स्वरूप दुर्गा, काली ,आदि 9 स्वरूपों के चरणों में समर्पित कर देना चाहिये, जिसमें वे इस संयोग द्वारा माँ की उपासना में शुद्ध हो जायँ अर्थात् कामात्मक भाव स्वार्थत्यागात्मक भाव में परीणित हो जाय। यही यथार्थ शक्ति-उपासना है; इसमें इन्द्रिय-विकार रूप पशु की बलि देनी पड़ती है, जिससे पशु-भाव दिव्य-माव में परावर्तित हो जाता है। माता दुर्गा एवं उनकी समस्त शक्तियों की महिमा अनंत होने से अवर्णनीय है ओर ये सभी शक्तिरूपा स्वयं शक्तिस्वरूपिणी जगन्माता हैं। जब जब लोगों ने माँ दुर्गा को पुकारा है, कष्टों में आर्तनाद किया है तब इन्ही माता ने ही अपनी मानव-सन्तति-भक्तों, साधकों-उपासकों को शक्ति प्रदान की है। केवल यही नहीं, बल्कि उन्हाने अपने आचरण और उदाहरण से यह भी सिद्ध कर दिया कि हमें अपनी शक्ति को कहाँ और किस प्रकार काम में लाना चाहिये।

राष्ट्रीय नीतियां और जनसंख्या का अतिरेक,विकास की धीमी गति

संजीव ठाकुर
रायपुर, छत्तीसगढ़

जनसंख्या किसी भी राष्ट्र का आधार होती है। यह न केवल समाज के ढाँचे को आकार देती है बल्कि आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक विकास को भी दिशा देती है।संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार भारत 2023 में चीन को पीछे छोड़ते हुए दुनिया का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश बन चुका है। यह स्थिति भारत के लिए दोहरी चुनौती है। एक ओर हमारे पास दुनिया की सबसे बड़ी श्रमशक्ति और विशाल उपभोक्ता वर्ग है।

दूसरी ओर, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार की कमी हमें इस जनसंख्या लाभांश (डेमोग्राफिक डिविडेंड) को बोझ में बदलने की ओर धकेल सकती है। इतिहास साक्षी है कि जब भी किसी राष्ट्र ने अपनी जनसंख्या सही दिशा दिखाई है तो उसे राष्ट्र ने विकास की धारा को अपना कर एक विकसित राष्ट्र बनाया है। लेकिन जब यही जनसंख्या अनियंत्रित हो गई,तो वह गरीबी, बेरोजगारी और नियत संसाधनों के ह्रास का कारण बन कर देश को अन्य देशों की तुलना में काफी पीछे ढ़केल दिया है।

भारत जैसे विशाल और विविधताओं से भरे देश में जनसंख्या का प्रश्न केवल आँकड़ों का ही नहीं बल्कि विकास के पैमाने का भी है। देश की 65% जनसंख्या युवा जनसंख्या है यह स्थिति भारत को दुनिया की सबसे बड़ी श्रमशक्ति प्रदान करती है। यदि इन्हें सही शिक्षा और प्रशिक्षण मिले तो यह जनसंख्या भारत को आर्थिक महाशक्ति बनाने में सहायक हो सकती है। अधिक जनसंख्या का मतलब बडी उपभोक्ता शक्ति और संभावनाएं। यही कारण है कि वैश्विक उपभोक्ता कंपनियाँ भारत को अपनी सामग्री बेचने का सबसे बड़ा बाज़ार मानती हैं। विशाल जनसंख्या के कारण यहाँ वस्तुओं और सेवाओं की मांग लगातार बढ़ रही है, जिससे उद्योग-धंधों को लगातार निरंतर प्रोत्साहन मिलता है।

अधिक लोग, अधिक विचारधारा, बड़ी आबादी के बीच से नई सोच, तकनीकी आविष्कार और सृजनशीलता के अवसर बढ़ते हैं। भारतीय युवाओं की प्रतिभा ने आईटी, स्टार्टअप और वैज्ञानिक अनुसंधान में विश्व पटल पर भारत की साख मजबूत की है। विविध जनसंख्या भारत की सांस्कृतिक शक्ति है। अलग-अलग भाषाएँ, परंपराएँ और जीवनशैली समाज को गतिशील और समृद्ध बनाती हैं। यही विविधता भारत को विश्व मंच पर बहुलता में एकता का संदेश देने योग्य बनाती है।

भारत की सबसे बड़ी और गंभीर समस्या यह है कि हर साल।लाखों युवा श्रम बाजार में प्रवेश करते हैं, परंतु उनके लिए पर्याप्त रोजगार के संसाधन उपलब्ध नहीं होते हैं परिणामस्वरूप बड़ी आबादी बेरोजगार रह जाती है या असंगठित क्षेत्र में कम आय पर काम करती है।

बेरोजगारी तथा अत्यधिक जनसंख्या का सीधा असर परिवार की आय पर पड़ता है। बड़ी संख्या में लोग गरीबी रेखा से नीचे जीवन बिताने को विवश हैं। यही गरीबी अशिक्षा और कुपोषण को जन्म देती है, जिससे विकास का चक्र धीमा पड़ जाता है। भूमि, जल, ऊर्जा और खनिज जैसे प्राकृतिक संसाधन सीमित हैं। लेकिन बढ़ती जनसंख्या इनके अति-दोहन का कारण बनती है। जल संकट, भूमि क्षरण और ऊर्जा की कमी जैसी समस्याएँ तेजी से सामने आ रही हैं बढ़ती जनसंख्या का बड़ा हिस्सा रोजगार की तलाश में शहरों की ओर पलायन करता है। इससे महानगरों में झुग्गी-झोपड़ियाँ बढ़ती हैं, यातायात और प्रदूषण की समस्या गहराती है तथा जीवन स्तर गिरता है। जनसंख्या वृद्धि का सबसे बड़ा दुष्परिणाम पर्यावरण पर पड़ता है। प्रदूषण, वनों की कटाई, कचरे का बढ़ता ढेर और ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन ये सभी अनियंत्रित आबादी के प्रत्यक्ष नतीजे हैं। जब जनसंख्या का बड़ा हिस्सा बुनियादी आवश्यकताओं से वंचित रह जाता है तो समाज में असंतोष,तनाव और अपराध बढ़ने लगते हैं। यही स्थिति सामाजिक असमानता और असुरक्षा को जन्म देती है। चीन ने जनसंख्या नियंत्रण में वन चाइल्ड पॉलिसी जैसी कठोर नीतियों का सहारा लिया, जबकि भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था के चलते जागरूकता और परिवार नियोजन पर जोर दिया गया है। हालांकि, ग्रामीण क्षेत्रों और अशिक्षित वर्गों में अभी भी जागरूकता का स्तर कम सरकारी कार्यक्रमों और जनसंचार माध्यमों के जरिए छोटे परिवार के लाभ समझाना आवश्यक है। गर्भनिरोधक साधनों की उपलब्धता और प्रचार-प्रसार बढ़ाना होगा। शिक्षा ही सबसे बड़ा हथियार है। खासकर महिला शिक्षा जनसंख्या नियंत्रण में निर्णायक भूमिका निभा सकती है। शिक्षित महिला न केवल स्वयं जागरूक होती है बल्कि पूरे परिवार को बेहतर दिशा देती है। युवा शक्ति को सही दिशा तभी मिल सकती है जब उन्हें काम मिले।

सरकार को कौशल विकास योजनाओं और उद्यमिता को बढ़ावा देना होगा। स्टार्टअप और लघु उद्योग इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। शहरों पर बोझ कम करने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और आधारभूत सुविधाओं का विकास आवश्यक है। इससे पलायन रुकेगा और संतुलित विकास होगा। जनसंख्या को उत्पादक संसाधन बनाने के लिए स्वास्थ्य सुविधाएँ सुलभ और किफ़ायती बनानी होंगी।

कुपोषण और मातृ-शिशु मृत्यु दर घटाने पर विशेष ध्यान देना होगा। भारत के लिए जनसंख्या एक दोधारी तलवार है। यदि इसे सही दिशा, शिक्षा और रोजगार मिले तो यही जनसंख्या हमें विश्व शक्ति बनाने का सबसे बड़ा आधार बन सकती है। लेकिन यदि यह अनियंत्रित और अशिक्षित रही तो यही जनसंख्या गरीबी, बेरोजगारी और अशांति का सबसे बड़ा कारण भी बन सकती है।अतः आवश्यकता है कि हम इसे केवल बोझ न मानें, बल्कि अवसर के रूप में देखें और नियंत्रण, शिक्षा और विकास के माध्यम से इसे राष्ट्र की शक्ति में परिवर्तित करें।

जस गीत

अशोक पटेल
आशु तुस्मा,
शिवरीनारायन (छ. ग.)

मईया के सोलहा सिंगार

मईया के सोलहा सिंगार
मोर मन ल भाए मईया के सोलहा सिंगार,,,
मईया के दमके सिंगार जमो जग ल भाए
मईया के सोलहा सिंगार,,,

भोर के लाली मांग म सिंदूरी
फुल मोंगरा के गजरा ह भाए
लाली सिंदूरिया मंदार फुलवा
गला म तय हार सिंगार बनाए
मईया के सोलहा सिंगार,,,

तोर कान के कुण्डल हर दाई
जोगनी बरोबर दमकत हावय
रातरानी के फुलवा कस झूलय
फुलवारी ह सुग्घर महमहावय
मईया के सोलहा सिंगार,,,

कारी बदरिया काजर हर लागय
जगमग ज्योति आँखी हर बरय
नाक नथुनिया च्तोर मोती मोहय
फुल कमल तोर मुखड़ा लागय
मईया के सोलहा सिंगार,,,

तोर भगत मिल तोर जस गावय
लाली फुलवा ल चरण चढ़ावय
तोर अर्जी अउ बिनती ल करके
तोर सुग्घर आशीष ल सब पावय
मईया के सोलहा सिंगार।

कैसे-कैसे लोग

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

आजकल समझदार लोगों की बड़ी मांग है। हर जगह इन्हीं की पूछ-परख हो रही है। पहले सिर्फ़ अख़बारों में इनकी गिनती होती थी, कि फलां काम के लिए फलां समझदार व्यक्ति ने हामी भर दी। अब तो सोशल मीडिया के हर कोने में ये अपनी समझदारी का झंडा उठाए घूमते हैं। सुबह-सुबह आप फ़ेसबुक खोलिए, कोई न कोई ज्ञानी महात्मा मिल जाएगा जो बताएगा कि जीवन को ऐसे जियो। दोपहर में वॉट्सऐप पर एक संदेश आएगा जिसमें लिखा होगा, सच्चा सुख सिर्फ़ इसमें है। शाम को आप टीवी खोलेंगे तो कोई विशेषज्ञ आपको आर्थिक समझदारी का ज्ञान देगा, कि कैसे अपनी गाढ़ी कमाई को बढ़ाएं। और हम लोग हैं,जिन्हें कोई समझदार नहीं मानता। हम जो सुबह उठकर, बिना किसी ज्ञान के, बस उठ जाते हैं। हम जो चाय पीते हुए, यह नहीं सोचते कि इससे हमारी आध्यात्मिक उन्नति हो रही है या नहीं। हम जो दफ्तर जाते हुए सिर्फ़ यह सोचते हैं कि आज काम कैसे पूरा होगा, न कि यह कि काम ही पूजा है इस सिद्धांत को कैसे जीवन में उतारें। समझदार लोग जब मिलते हैं तो उनकी बातचीत भी समझदारी से भरी होती है। एक कहेगा, देखो भाई, आजकल यह जो सब हो रहा है, यह सब राजनीति है। दूसरा कहेगा, अरे, आप नहीं समझते, यह तो आर्थिक चक्र है। तीसरा अपनी बात रखेगा, ये सब मानव स्वभाव की देन है। और हम सिर्फ़ सिर हिलाते रहते हैं। हमें यह भी नहीं पता होता कि मानव स्वभाव में क्या-क्या आता है। शायद सुबह-सुबह उठकर नींद पूरी न होने पर चिड़चिड़ाना भी इसी में आता होगा। सबसे बड़ी मुश्किल तब होती है जब कोई समझदार व्यक्ति हमसे सवाल पूछता है। अरे! आप क्या सोचते हैं? हम चुप रहते हैं। क्या बताएं? कि हम कुछ नहीं सोचते? कि हमारी सोच तो सिर्फ़ इस बात तक सीमित है कि आज शाम को घर के लिए कौन-सी सब्ज़ी खरीदनी है? ये समझदार लोग ही हैं जो हर समस्या का समाधान जानते हैं। अगर देश में महंगाई बढ़ रही है, तो उनके पास उसका कारण भी है और इलाज भी। अगर बेरोजगारी है, तो वे बताते हैं कि बस, यह सब मानसिकता की बात है। उनके हिसाब से अगर हम अपनी मानसिकता बदल लें तो अगले दिन ही हमें नौकरी मिल जाएगी। हम जैसे नासमझ लोग इसी उलझन में जीते हैं कि काश, हम भी समझदार होते! लेकिन फिर सोचते हैं, अगर हम भी समझदार हो गए तो हम भी हर बात पर ज्ञान देने लगेंगे। हमारी भी जिंदगी में जटिलता आ जाएगी। हमारी सोच भी 'आर्थिक चक्र' और 'मानव स्वभाव' के चक्र में फंसकर रह जाएगी। तो चलिए, हम जैसे नासमझ लोग नासमझ ही ठीक हैं। न किसी को ज्ञान देना है, न किसी से ज्ञान लेना है। बस सुबह उठकर चाय पीनी है, काम पर जाना है, शाम को घर लौटकर परिवार के साथ बैठना है। हम सोचते हैं कि इससे ज़्यादा और क्या चाहिए? लेकिन शायद यही हमारी नासमझी का सबसे बड़ा सबूत है। क्योंकि समझदार लोग कहते हैं कि जिंदगी का असली मकसद तो जीवन को समझना है। और हम सिर्फ उसे जी रहे हैं।

सुविचार

अगर मेहनत से दोस्ती करोगे, तो सफलता खुद चलकर आएगी।

आत्मिक उन्नति और आंतरिक शुद्धि का भी मार्ग प्रशस्त करती है नवरात्रि

विवेक रंजन श्रीवास्तव
विभूति फीचर्स

नवरात्र भारतीय संस्कृति का एक ऐसा पर्व है जो केवल धार्मिक आचरण तक सीमित नहीं है, बल्कि जीवन के हर पहलू को स्पर्श करता है। यह पर्व वर्ष में दो बार आता है चैत्र और आश्विन मास में और दोनों ही बार यह ऋतु परिवर्तन के संधि-काल में अपना विशेष महत्व लेकर आता है। नवरात्रि, जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है, नौ रात्रियों का उत्सव है। ये नौ रातें और नौ दिन देवी दुर्गा के नौ स्वरूपों की आराधना के लिए समर्पित होते हैं, जो शक्ति, ज्ञान, समृद्धि और शांति के प्रतीक हैं।

नवरात्रि की शुरुआत घटस्थापना के साथ होती है, जहाँ एक मिट्टी के घड़े में जौ बोए जाते हैं। यह जीवन के अंकुरण, नई शुरुआत और समृद्धि का प्रतीक है। अगले नौ दिनों तक, देवी के नौ रूपों की पूजा का एक विशेष क्रम होता है। प्रत्येक दिन देवी के एक अलग रूप की आराधना की जाती है, जो मानव जीवन के विभिन्न आयामों को दर्शाता है। शैलपुत्री से लेकर सिद्धिदात्री तक का यह सफर केवल पूजा अर्चना का ही नहीं, बल्कि आत्मिक उन्नति और आंतरिक शुद्धि का भी मार्ग प्रशस्त करता है। इस पर्व का सबसे गहरा महत्व इसकी आध्यात्मिकता में निहित है। मान्यता है कि इन्हीं नौ दिनों में देवी दुर्गा ने महिषासुर नामक राक्षस का वध किया था। इसलिए यह पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक बन गया है। यह हमें सिखाता है कि हमें अपने अंदर की काम, क्रोध, मोह, लोभ और अहंकार जैसे दसों प्रकार के राक्षसों पर विजय प्राप्त करनी चाहिए। दसवें दिन दशहरा मनाया जाता है, जो विजय का प्रतीक है। नवरात्रि केवल पूजा पाठ का ही पर्व नहीं है, बल्कि यह सामाजिक एकता और सांस्कृतिक उल्लास का भी अवसर है। गुजरात और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में गरबा और डांडिया का आयोजन इसका उदाहरण है। रातभर चलने वाले इन नृत्यों में समुदाय के सभी लोग बिना किसी भेदभाव के एक साथ मिलकर नृत्य करते हैं। यह सामाजिक सद्भाव और सामूहिक उल्लास का अनूठा दृश्य होता है। घरों में रंगोली बनाने, दीये जलाने और पारंपरिक वस्त्र पहनने की परंपरा हमारी सांस्कृतिक विरासत को जीवंत रखती है। इस पर्व का एक वैज्ञानिक पक्ष भी है। ऋतु परिवर्तन के इस समय में उपवास रखना और सात्विक आहार लेना शरीर के लिए अत्यंत लाभदायक होता है। यह शरीर को शुद्ध करने, पाचन तंत्र को आराम देने और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में सहायक होता है। इस प्रकार, नवरात्रि शरीर, मन और आत्मा तीनों के लिए शुद्धि का कार्य करती है। नवरात्रि का संदेश अत्यंत सारगर्भित है। यह हमें बाहरी आडंबरों से ऊपर उठकर आंतरिक शुद्धि की ओर ध्यान केंद्रित करने की प्रेरणा देती है। यह पर्व हमें सिखाता है कि जीवन में सफलता और शांति के लिए आवश्यक है कि हम अपने अंदर की नकारात्मक शक्तियों पर विजय प्राप्त करें और सकारात्मक ऊर्जा को अपनाएं। नवरात्रि आस्था, संस्कृति और विजय का अनूठा संगम है, जो हमें न केवल बेहतर इंसान बनने की प्रेरणा देती है, बल्कि समाज में एकता और प्रेम का संदेश भी फैलाती है। यही कारण है कि सदियों से यह पर्व हमारी सांस्कृतिक चेतना का एक अभिन्न अंग बना हुआ है।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटाराअम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

C M Y K

25 SEPTEMBER 2025 AMBIKAPUR GG NEWS PAPER_Layout 2 9/24/2025 11:39 PM Page 3

श्री रामलला दर्शन के लिए नौंवी यात्रा पर सरगुजा संभाग के 850 श्रद्धालु हुए रवाना

पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल तथा कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को किया रवाना

-संवाददाता-
अंबिकापुर,24 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

श्री रामलला दर्शन योजना के तहत बुधवार को सरगुजा संभाग से 850 श्रद्धालुओं को लेकर स्पेशल ट्रेन अम्बिकापुर रेलवे स्टेशन से अयोध्या धाम के लिए रवाना हुई। इस यात्रा को छत्तीसगढ़ शासन के पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री श्री राजेश अग्रवाल तथा आदिम जाति, अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास, कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री श्री रामविचार नेताम ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पर्यटन मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि आज सरगुजा संभाग से श्रद्धालु श्री रामलला के दर्शन हेतु रवाना हो रहें हैं, उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं। उन्होंने कहा कि योजना के तहत पिछले वर्ष 22,100 यात्री पूरे छत्तीसगढ़ से यात्रा किए हैं, इस वर्ष लक्ष्य से अधिक यात्री श्री रामलला दर्शन योजना का लाभ उठाएंगे। अगले वर्ष से हम इस संख्या को बढ़ाने का प्रयास करेंगे, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों को तीर्थ यात्रा का लाभ मिले।वहीं कृषि मंत्री श्री नेताम ने कहा कि शासन द्वारा ऐसे लोग जिन्हें तीर्थयात्रा करने की इच्छा होती हैं, परन्तु कुछ परिस्थितियों के चलते जा पाने में असमर्थ होते हैं, उनके लिए यह योजना लायी गई है। वहीं इसमें बुजुर्गों का भी विशेष ध्यान रखा गया है। यात्रियों को सारी सुविधाएं प्रदान की जा रही है, अब तक योजना का लाभ लेते हुए हजारों श्रद्धालुओं ने श्री रामलला के दर्शन किए हैं। उन्होंने श्रद्धालुओं को सुखद एवं मंगलमय यात्रा की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरुपा सिंह , नगर पालिक निगम अम्बिकापुर महापौर श्रीमती मंजूषा भगत, नगर पालिक निगम अम्बिकापुर सभापति श्री हरमिन्दर सिंह टिन्नी, जनप्रतिनिधियों में श्री भारत सिंह सिसोदिया, श्री अनिल सिंह मेजर, श्री अम्बिकेश केसरी, श्री ललन सिंह, श्री अभिमन्यु गुप्ता एवं अन्य उपस्थित रहे। इस दौरान अपर कलेक्टर श्री सुनील नायक, एसडीएम अम्बिकापुर श्री फागेश सिन्हा,पर्यटन अधिकारी सरगुजा संभाग श्री आशीष वर्मा, आई.आर.सी.टी.सी एवं रेलवे के अधिकारी- कर्मचारी उपस्थित थे। यह यात्रा 27 सितंबर को वापस अम्बिकापुर रेलवे स्टेशन आएगी। योजना के तहत शासन द्वारा श्रद्धालुओं को निःशुल्क यात्रा पर ले जाने के साथ ही उनके खान-पान सहित सभी सुविधाएं प्रदान की जा रहीं है।

यात्रा में जिले के 170 श्रद्धालु श्री रामलला के करेंगे दर्शन

श्री रामलला दर्शन योजना के नोडल अधिकारी एवं उप संचालक समाज कल्याण व्ही.के.उके ने बताया कि सरगुजा जिले के 170 यात्री यात्रा में शामिल हैं। जिसमें नगर निगम अम्बिकापुर से 30, नगर पंचायत सीतापुर से 07, नगर पंचायत लखनपुर से 07, जनपद पंचायत अम्बिकापुर से 18, लखनपुर से 18, उदयपुर से 18, बतौली से 18, मैनपाट से 18, सीतापुर से 18, लुण्ड्रा से 18 यात्री यात्रा पर गए हैं। यात्रियों की सुरक्षा एवं देखभाल हेतु जिले से अनुरक्षक भी भेजे गये है।

श्री रामलला के दर्शन हेतु श्रद्धालुओं में दिखा उत्साह : श्रीरामलला दर्शन के लिए श्रद्धालुओं में उत्साह देखने को मिला। सरगुजा जिले के विकासखंड उदयपुर के निवासी श्री तमन्ना बताते हैं उनका श्री रामलला के दर्शन करने का सपना आज पूरा होने जा रहा है, इसका श्रेय हमारे मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय को जाता है। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री साय को धन्यवाद दिया। जशपुर जिले के विकासखण्ड कांसाबेल निवासी श्री रतन प्रसाद यादव ने श्री रामलला दर्शन योजना के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का आभार प्रकट किया।

उन्होंने कहा कि वो स्वयं को सौभाग्यशाली मानते हैं कि उन्हें श्री रामलला के दर्शन करने का मौका मिल रहा है। वहीं दर्शन के लिए जाने वाले श्रद्धालु ने कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि उनको रामलला के दर्शन का मौका मिलेगा, क्योंकि उनकी आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं थी कि वे यात्रा का खर्च वहन कर सकें। लेकिन आज शासन की इस योजना से उन्हें निःशुल्क यह सौभाग्य मिल रहा है, वहीं भोजन सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं भी दी जा रहीं है।

राजपुर पुलिस ने नदी में संदिग्ध परिस्थितियों में मिली पहाड़ी कोरवा की लाश का पर्दाफाश

मृतक पहाड़ी कोरवा की पत्थर से वार कर की थी आरोपी ने हत्या,पुलिस ने कारवाही कर आरोपी को भेजा

-संवाददाता-
राजपुर,24 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

जानकारी के अनुसार बलरामपुर जिले के राजपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पतरापारा स्थित गेउर नदी में एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में 21सितंबर की शाम को कड़ी मशक्कत के बाद मिला था। सूचना मिलते ही पुलिस एवं फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की थी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा। थाना प्रभारी भारद्वाज सिंह ने बताया कि ग्राम पतरापारा निवासी जवाहिर कोरवा ने 20 सितंबर की शाम राजपुर थाने में सूचना दी थी कि उसका भाई राजकुमार पहाड़ी कोरवा (33 वर्ष) अपने साढू खुयू पहाड़ी कोरवा (40 वर्ष), निवासी बैढ़ी के साथ बैढ़ी गया था। वहां दोनों ने शराब का सेवन किया और लौटते समय नदी पार करते समय राजकुमार नदी के तेज बहाव में बह गया। घटना की जानकारी मिलने पर परिजनों ने हत्या का संदेह व्यक्त किया। पुलिस की टीम ने तुरंत तलाशी अभियान शुरू किया, लेकिन शाम हो जाने के कारण मृतक का कोई सुराग नहीं लग सका था। अगले दिन ग्रामीणों और परिजनों की मदद से नदी में जाल डाला गया और कड़ी मशक्कत के बाद शव को बाहर निकाला गया। शव को मर्चुरी में सुरक्षित रखवाया गया था। इस बीच वैज्ञानिक अधिकारी प्रभात भगत 22 सितंबर को अपनी एफएसएल टीम और पुलिस टीम के साथ घटना स्थल पर पहुंचे और घटना स्थल का निरीक्षण किया था। परिजनों के द्वारा हत्या का संदेह जताए जाने और मौत की परिस्थितियां संदिग्ध होने के कारण फॉरेंसिक टीम सहित पुलिस की टीम घटना स्थल पर पहुंच हर पहलू की बारीकी से जांच कर रही थी। पुलिस ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर हत्या का अपराध दर्ज कर संदेही आरोपी खुयू पहाड़ी कोरवा पिता रेंदू पहाड़ी कोरवा(40 वर्ष) को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की। सख्ती से पूछताछ करने पर आरोपी ने अपना जुर्म कबूल करते हुए बताया कि आरोपी मृतक राजकुमार के साथ बुधवार से ही घूम घूम कर शराब का सेवन कर रहे थे। बुधवार को किसी बात पर हुए विवाद के कारण मृतक राजकुमार ने आरोपी को थप्पड़ मार दिया था जिसे बात को लेकर शनिवार को पुनः विवाद उत्पन्न हुआ। धक्का मुक्की के बाद आरोपी पे मृतक के सिर पर पत्थर से वार और हाथ मुक्के से सीना में वार कर उसकी हत्या कर दी और उसे नदी में फेक दिया।शनिवार को वापस पतरापार आ कर उसने मृतक के परिजनों को गलत सूचना दिया कि वे दोनों नदी में डूब गए थे जैसे तैयार वो खुद बच कर बाहर निकला और मृतक राज कुमार नदी के बहाव में बह गया। पुलिस ने धारा 103(1) बीएनएस के तहत आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा।

दुर्गा पूजा महोत्सव में रंगोली प्रतियोगिता का भव्य आयोजन

-संवाददाता-
अंबिकापुर,24 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

दुर्गा पूजा महोत्सव के उपलक्ष्य में अनोखी सोच संस्था द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में मंगलवार को रंगोली प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य भारतीय कला, संस्कृति और पारंपरिक शिल्प को प्रोत्साहित करना तथा कलाकारों को अपनी सृजनात्मकता प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करना था। प्रतियोगिता में कुल 60 से अधिक प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसमें जूनियर वर्ग में 35 एवं सीनियर वर्ग में 25 प्रतिभागियों ने अपनी कल्पनाशक्ति से रंगों का अद्भुत संगम करते हुए पारंपरिक, आधुनिक एवं विषय आधारित रंगोलियां बनाई। प्रतिभागियों की रंगोलियां न केवल देखने में आकर्षक थीं, बल्कि उनमें सामाजिक संदेश भी झलक रहा था, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रतियोगिता का मूल्यांकन निर्णायक मंडल द्वारा रंग संयोजन, डिजाइन, रचनात्मकता और समग्र प्रस्तुति के आधार पर किया गया। निर्णायक मंडल में वर्षा उपगड़े, मीरा साहू, दीक्षा अग्रवाल एवं रणविजय सिंह शामिल थे। संस्था के अध्यक्ष सूर्य प्रकाश साहू ने बताया कि प्रतियोगिता के विजेताओं की घोषणा 2 नवंबर को फिनाले कार्यक्रम के दौरान की जाएगी, जहां उन्हें पुरस्कृत भी किया जाएगा।

रजत जयंती पर विश्वविद्यालय इंजीनियरिंग कॉलेज कार्यक्रम का आयोजन

-संवाददाता-
अंबिकापुर,24 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

विश्वविद्यालय इंजीनियरिंग कॉलेज, में 23 सितम्बर को छत्तीसगढ़ राज्य की रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्रा चित्र प्रदर्शनी, संस्था की उपलब्धियों व योजनाओं का प्रदर्शन, पुस्तक मेला, वृक्षारोपण तथा पुरस्कार वितरण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दीपक कुमार झा आईजी सरगुजा रहे। अध्यक्षता शारदा प्रसाद त्रिपाठी, कुल सचिव, संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय ने की तथा विशिष्ट अतिथि पार्षद आलोक दुबे उपस्थित रहे। प्राचार्य डॉ. आरएन खरे ने स्वागत भाषण में संस्था की प्रगति और उपलब्धियों की जानकारी दी। मुख्य अतिथि आईजी दीपक झा ने अनुशासन और लक्ष्य निर्धारण पर बल देते हुए सिविल सेवा की तैयारी के टिप्स साझा किए। उन्होंने साइबर क्राइम से सतर्क रहने की सलाह भी दी। आलोक दुबे ने संस्था की समस्याओं के निराकरण में हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। त्रिपाठी ने विकसित भारत 2047 की दिशा में युवाओं को अभी से तैयार होने का आह्वान किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों की चित्र प्रदर्शनी, पुस्तक मेला, वृक्षारोपण, कोडिंग, क्विज व सेमिनार प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। विजेताओं को अतिथियों द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम में समस्त प्राध्यापक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

एसडीएम अनमोल टोप्पो के निरीक्षण के बाद मिड डे मील में आया सुधार बच्चों को भोजन में दी जा रही है हरी सब्जियां

-संवाददाता-
शंकरगढ़,24 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

विकासखंड के विभिन्न स्कूलों में मिड डे मील को लेकर आ रही शिकायतों का एसडीएम अनमोल टोप्पो एवं उनकी टीम ने निरीक्षण किया था एवं जांच की थी जांच में हरी सब्जियां नहीं देने को सही पाया गया था इसके बाद एसडीएम अनमोल टोप्पो ने विकासखंड शिक्षा अधिकारी के खिलाफ नोटिस जारी किया था इसके बाद मिड डे मील में अब सुधार देखने को मिल रहा है प्राथमिक स्कूल कमारी एवं आसपास के अन्य स्कूलों में बच्चों को भोजन में हरी सब्जियां दी गई जिसके बाद बच्चों के चेहरों में हरी सब्जी देखकर खुशी देखी गई मीनू के आधार पर मिड डे मील का भोजन बच्चों को अब दिया जा रहा है।

कैदी ने पेशाब की नली में डाली पेंसिल,ऑपरेशन कर डॉक्टरों ने निकाला

मेडिकल कॉलेज अस्पताल में कराया गया भर्ती,मानसिक स्थिति की जांच होगी

-संवाददाता-
अंबिकापुर,24 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

केन्द्रीय जेल में हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे एक कैदी ने पेशाब में खुजली की शिकायत के चलते अजीबो-गरीब कदम उठा लिया। पांच दिन पूर्व उसने अपने प्राइवेट पार्ट में 9 सेंटीमीटर लंबी पेंसिल डाल ली, जिससे उसकी तबीयत बिगड़ गई।

प्राइवेट पार्ट में सूजन और रक्तस्राव शुरू होने पर जेल प्रशासन ने उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया, जहां एक्सरे जांच में पेंसिल फंसी होने की पुष्टि हुई। कैदी की हालत गंभीर होने के कारण सर्जरी विभाग के एचओडी डॉ. एसपी कुजूर के नेतृत्व में इमरजेंसी ऑपरेशन किया गया। ऑपरेशन में डॉ. प्रवीण सिंह, डॉ. कांता, डॉ. इंद्रनील और निश्चेतना विभाग से डॉ. शिवम शामिल रहे। डॉक्टरों ने सफलतापूर्वक ऑपरेशन कर उसके प्राइवेट पार्ट से पूरी पेंसिल बाहर निकाली। ऑपरेशन के बाद फिलहाल कैदी की स्थिति स्थिर बताई जा रही है। जेल अधीक्षक अक्षय राजपूत ने बताया कि यह कैदी जेल के अंदर शांत स्वभाव का माना जाता है और उसे नंबरदार का जिम्मा भी सौंपा गया था। पूछताछ में उसने बताया कि उसे पेशाब के दौरान खुजली और परेशानी हो रही थी, इसलिए उसने पेंसिल डाल दी। जेल प्रशासन ने मामले की गंभीरता को देखते हुए उसकी मानसिक स्थिति की जांच कराने का निर्णय लिया है। डॉक्टरों के अनुसार, पेशाब नली में किसी भी बाहरी वस्तु का प्रवेश खतरनाक हो सकता है और इससे संक्रमण, ब्लॉकेज, रक्तस्राव और अंगों को स्थायी क्षति तक हो सकती है। समय पर ऑपरेशन नहीं किया जाता,तो कैदी की जान भी जा सकती थी। इस दुर्लभ और संवेदनशील मामले ने जेल सुरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। अब यह जांच का विषय है कि जेल में उसके पास पेंसिल कैसे पहुंची और क्या उसने यह कदम जानबूझकर उठाया या मानसिक विकार के कारण। जेल प्रशासन ने पूरे मामले की रिपोर्ट तैयार कर उच्च अधिकारियों को भेज दी है।

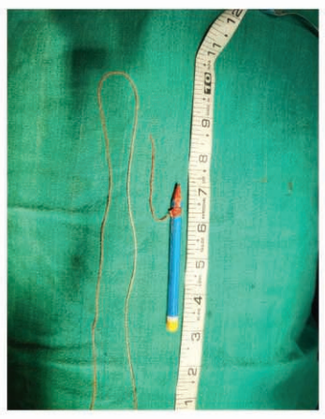

अष्टावक्र जयंती के अवसर पर सक्षम सरगुजा ने आयोजित किया संगोष्ठी

-संवाददाता-
अंबिकापुर,24 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

अष्टावक्र जयंती के अवसर पर सक्षम सरगुजा (दिव्यांग जन के कल्याण हेतु कार्यरत राष्ट्रीय संस्था)द्वारा दिनांक 23 सितंबर को शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अंबिकापुर के सभा कक्ष में दिव्यांग जन हेतु संगोष्ठी का आयोजन किया गया । जिसमें सक्षम छत्तीसगढ़ के प्रांतीय संगठन मंत्री श्री राम जी राजवाड़े मुख्य अतिथि के रूप में तथा विशिष्ट अतिथि अनुज दुबे जिला सह कार्यवाहक आरएसएस डॉक्टर परमानंद अग्रवाल,माधुरी पाठक,संयोजिका सक्षम सरगुजा अजय तिवारी,योग गुरु आर्ट ऑफ लिविंग बृज बिहारी द्विवेदी, एसके शेषाद्रि वासन,देवराज सिंह बाबरा,जयेश वर्मा दीपक वासूले,कंचन उपाध्याय की उपस्थिति में दीप प्रज्वलन के साथ आरम्भ हुआ।मुख्य वक्ता डॉक्टर परमानंद अग्रवाल जी ने विकलांगता के कारण और उसके निदान हेतु विस्तृत जानकारी दी आहार ,पोषक तत्व, विटामिन इत्यादि की सही मात्रा का गर्भावस्था के दौरान विशेष ध्यान रखने हेतु जानकारी दी। संगोष्ठी को रामजी राजवाड़े ने सक्षम छत्तीसगढ़ के द्वारा दिव्यांग जनों के कल्याणार्थ किए जाने वाले सेवा कार्यों की जानकारी दी दिव्यांगों के विभिन्न प्रकार की भी विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम को अजय तिवारी,अनुज दुबे व माधुरी पाठक ने भी संबोधित किया कार्यक्रम का संचालन राजीव पाठक द्वारा किया गया। इस अवसर पर सक्षम सरगुजा की परिचय पुस्तिका का विमोचन अतिथि गणों द्वारा किया गया । कार्यक्रम का आकर्षण दिव्यांग बालक सुयश उपाध्याय द्वारा प्रस्तुत नृत्य रहा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा बालक को सम्मानित किया गया कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्रांगण में वृक्षारोपण किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य श्री आर एल मिश्रा एवं शिक्षक शिक्षिकाओं का विशेष सहयोग रहा कार्यक्रम में विद्यालय की लगभग 150 छात्राएं उपस्थित थी कार्यक्रम के अंत में श्री देवराज बाबरा द्वारा आभार प्रकट किया गया एवं भविष्य में दिव्यांग जनों हेतु सक्षम सरगुजा द्वारा किए जाने वाले कार्यक्रम में सहयोग का आव्हान किया गया।

स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के तहत जागरुकता कार्यक्रम

-संवाददाता-
अंबिकापुर,24 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

राजमाता देवेंद्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय में स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के अंतर्गत 17 से 23 सितंबर तक महिला स्वास्थ्य को लेकर विभिन्न जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। अभियान के आठवें दिवस पर डॉ. संध्या पांडे (आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी) द्वारा गर्भवती महिलाओं को गर्भ संस्कार, मंत्रोच्चारण एवं खानपान के महत्व के बारे में बताया गया। ऑडियो के माध्यम से मंत्र भी सुनाए गए। वहीं, डॉ. ज्योति गुप्ता (नैचुरोपैथी) ने योगाभ्यास के लाभ और विधियों की जानकारी दी।

अभियान के तहत छत्तीसगढ़ का यह पहला चिकित्सा संस्थान बना जहां 15 मास्टर ट्रेनर मितानिनों की कैंसर स्क्रीनिंग (ब्रेस्ट, सर्विक्स), खून जांच सहित पूर्ण स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। अब यह जांच हर माह के तीसरे मंगलवार को नियमित रूप से की जाएगी।

18 सितंबर को डॉ. सपना सोनी एवं डॉ. अंजना ने गर्भावस्था पूर्व व पश्चात् व्यायाम के बारे में बताया। डायटिशियन सुमन सिंह ने योग और पोषण संबंधी जानकारी साझा की। 19 सितंबर को एमबीबीएस छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक व क्विज के माध्यम से मासिक धर्म स्वच्छता पर जागरूक किया।

नेत्र रोग विभाग द्वारा चश्मा वितरण भी किया गया। 20 सितंबर को किशोरी बालिकाओं को पोषण और रक्त संबंधी समस्याओं की जानकारी दी गई। 21 से 23 सितंबर तक मानसिक स्वास्थ्य,परिवार नियोजन और स्त्री रोगों हेतु स्वास्थ्य शिविर आयोजित हुए। समापन अवसर पर अधिष्ठाता डॉ. अविनाश मेश्राम समेत अनेक विशेषज्ञ डॉक्टर एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

शादीशुदा गर्लफ्रेंड से मिलने पहुंचा,ससुरालियों ने पकड़कर कूटा...फिर दोनों के भेजा साथ

-संवाददाता-
सरगुजा,24 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

सरगुजा जिले में एक अजीबोगरीब घटना सामने आई। जहां देर रात शादीशुदा प्रेमिका से मिलने के लिए चोरी-छुपे पहुंचे उसके प्रेमी कोससुराल वालों ने रंगे हाथों पकड़ा। मामला लखनपुर थाना क्षेत्र के पुहपुटरा गांव का है। सूरजपुर जिले के तेलाई कछार निवासी युवक का प्रेम संबंध लखनपुर क्षेत्र की एक युवती से था. दोनों के बीच यह रिश्ता शादी से पहले से चला आ रहा था। युवती के शादी के बावजूद दोनों का मिलना-जुलना जारी रहा। वहीं बीते सोमवार 22 सितंबर की चुपके से आधी रात युवक मौका पाकर अपनी शादीशुदा प्रेमिका के घर पहुंच गया,लेकिन किस्मत ने साथ नहीं दिया। घरवालों ने युवक को देख लिया और तुरंत पकड़कर उसके हाथ-पैर बांध दिए। इसके बाद जमकर उसकी पिटाई की गई। घरवालों ने इस घटना का वीडियो भी बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। घटना की सूचना गांव में फैलते ही अगले दिन मंगलवार को पंचायत बुलाई गई। ग्रामीणों की मौजूदगी में मामले पर चर्चा हुई और सामाजिक दबाव में एक चौंकाने वाला निर्णय लिया गया। पंचायत ने शादीशुदा महिला को प्रेमी के सुपुर्द कर दिया। इस नतीजे के बाद पूरे इलाके में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं. सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची थी,लेकिन दोनों पक्षों की ओर से थाने में किसी तरह की शिकायत दर्ज नहीं कराई गई फिलहाल, पुलिस ने घटना पर आधिकारिक बयान नहीं दिया है। गांव वाले और सोशल मीडिया यूजर्स इस घटना को लेकर लोग अलग-अलग राय दे रहे हैं। कुछ इसे सामाजिक मर्यादाओं पर सवाल बता रहे हैं, तो कुछ पंचायत के फैसले को लेकर हैरानी जता रहे हैं।

शारदीय नवरात्रि पर महिलाओं के लिए सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता 26 सितम्बर को

-संवाददाता-
अंबिकापुर,24 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

शारदीय नवरात्रि की पंचमी तिथि पर वसुधा महिला मंच द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित की जाने वाली महिलाओं की सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता इस वर्ष भी 26 सितम्बर को आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता का आयोजन दुर्गा मंदिर, गांधी चौक (ऊपर हॉल) में दोपहर 3.30 से 5 बजे तक होगा। यह प्रतियोगिता केवल महिलाओं के लिए है और इसमें वैकल्पिक प्रश्नों (ऑब्जेक्टिव टाइप) का प्रश्नपत्र रहेगा। इच्छुक प्रतिभागी 25 सितम्बर तक अपना नाम पंजीकृत करा सकती हैं। वसुधा महिला मंच ने अधिक से अधिक महिलाओं से प्रतियोगिता में भाग लेकर अपने ज्ञान का प्रदर्शन करने की अपील की है।

C M Y K

25 SEPTEMBER 2025 AMBIKAPUR GG NEWS PAPER_Layout 2 9/24/2025 11:39 PM Page 4

महाराजा अग्रसेन जी की 5149 वीं जयंती का आयोजन हुआ

अग्रसेन जयंती के अवसर पर पूजा-अर्चना कर भव्य शोभायात्रा निकाली गई...

-ओंकार पाण्डेय-

सूरजपुर,24 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

महाराजा अग्रसेन जी की 5149 वीं जयंती का आयोजन अग्रवाल सभा के आतिथ्य में अग्रोहा भवन में दस दिवसीय विविध प्रतियोगिताओं व कार्यक्रमों के साथ पुरस्कार वितरण समारोह, शोभायात्रा व गंगा आरती के रूप में संपन्न हुआ। दस दिनों तक अग्रोहा भवन में चली विभिन्न प्रतियोगिताओं में समाज के बच्चों, युवाओं व महिलाओं ने बढ़ चढ़कर आकर्षक प्रतियोगिताओं व आयोजन में हिस्सा लिया। इस दौरान जयंती में सामाजिक अग्रभोज का आयोजन किया गया। समापन समारोह में वन विकास निगम के अध्यक्ष रामसेवक पैकरा, नपा अध्यक्ष कुसुमलता राजवाड़े, रेडक्रास सोसायटी के चेयरमैन बाबूलाल अग्रवाल,डिप्टी कलेक्टर सुनील अग्रवाल अतिथि रहे। अग्रवाल सभा के अध्यक्ष अमृत लाल अग्रवाल,सचिव राजेश महलवाला,कोषाध्यक्ष संजय केजरीवाल व आयोजन समिति के अध्यक्ष सुनील अग्रवाल सहित पूर्व नपं अध्यक्ष लालचंद अग्रवाल, अधिवक्ता संघ के पूर्व अध्यक्ष अनिल गोयल व अग्रोहा भवन के अध्यक्ष अवधेश अग्रवाल, अग्रवाल महिला मण्डल की अध्यक्ष लता गोयल, सचिव सोनू अग्रवाल व नवयुवक समिति के अध्यक्ष गौरीश जिंदल भी मंचासीन रहे। समापन समारोह में लगभग 70 प्रतियोगिताओं के विजेताओं को अतिथियों के द्वारा पुरस्कृत किया गया। वहीं अग्रसेन जयंती के अवसर पर सुबह पूजा-अर्चना कर भव्य शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें समाज के 18 गोत्र की झांकी के साथ अग्रसेन महाराज की भी सजीव झांकी सामाजिक एकता को प्रगट करते हुए नगर के सभी मार्गों से होकर अग्रसेन भवन में समाप्त हुई। शोभायात्रा अग्रोहा भवन से निकलकर केतका रोड, अग्रसेन चौक, मेन रोड, भैयाथान रोड, मंदिरपारा होते हुए भवन पहुंची जहाँ श्री अग्रसेन समिति सामाजिक स्वल्पाहार आयोजित किया गया। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में समाज के अनुयायी उपस्थित रहे। भव्य व आकर्षक शोभयात्रा में अग्रजनों की विशाल उपस्थिति भी नगर में चर्चा का विषय रहा। इस दौरान अग्रवाल सभा, अग्रवाल सेवा समिति, अग्रवाल नवयुवक समिति, अग्रवाल महिला मण्डल, अग्रवाल महिला सम्मेलन, मारवाड़ी युवा मंच व संस्कृति शाखा के पदाधिकारी व सदस्य समस्त आयोजन में सक्रिय रहे। वहीं अग्रसेन चौक पर श्री श्याम सखी खिंचड़ी ग्रुप के द्वारा खिंचड़ी तथा युवा साथी फाउंडेशन के द्वारा डाबर कंपनी के जूस का वितरण किया गया।

अग्रसेन चौक में हुई भव्य गंगा आरती : अग्रसेन जयंती के अवसर पर स्थानीय अग्रसेन चौक में अग्रवाल नवयुवक समिति के तत्वाधान में भव्य गंगा आरती का आयोजन किया गया। बनारस से आए विद्वान ब्राम्हणों ने मां गंगा एवं अग्रसेन जी की आरती से पूरे नगर को भावविभोर कर दिया। गंगा आरती के दौरान हजारों की संख्या में नगरवासी चौक पर उपस्थित रहे। इस दौरान गौरीश जिंदल,स्वयं गोयल, गौरव महलवाला, प्रथम गर्ग,कान्हा जिंदिया सहित पूरी टीम सक्रिय रही। वहीं शोभयात्रा के ईनामी कूपन का भी ड्रा निकाला गया,जिसे डॉ. राहुल अग्रवाल व टीम के द्वारा पुरस्कृत किया गया तथा मार्निंग वाकर्स ग्रुप के द्वारा गंगा आरती के समय प्रसाद वितरण किया गया।

भारत सिंह बने सरगुजा सांसद के लोकसभा प्रतिनिधि

मंत्रालय महानदी भवन रायपुर के सभी विभागों में सरगुजा सांसद का करेंगे प्रतिनिधित्व

-संवाददाता-

अंबिकापुर,24 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

सरगुजा सांसद चिंतामणि महराज ने अंबिकापुर निवासी भारत सिंह को अपना लोकसभा प्रतिनिधि नियुक्त किया है,भारत सिंह सरगुजा सांसद के प्रदेश स्तर के प्रतिनिधि होंगे और वह मंत्रालय महानदी भवन रायपुर के सभी विभागों में लोकसभा सांसद चिंतामणि महराज का प्रतिनिधित्व करेंगे। सरगुजा लोकसभा सांसद की तरफ से प्रदान की गई बड़ी जिम्मेदारी के बाद भारत सिंह ने बतलाया कि वह सांसद सरगुजा चिंतामणि महराज के द्वारा प्रदान की गई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे और सरगुजा क्षेत्र के लोगों के लिए वह मंत्रालय स्तर पर बेहतर प्रयास करते हुए लाभ प्रदान कराने का काम करेंगे,उन्होंने कहा कि सांसद सरगुजा ने उन्हें बहुत बड़ी जिम्मेदारी प्रदान की है और वह इस जिम्मेदारी को निभाते हुए उनके विश्वास पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे। भारत सिंह सरगुजा भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता हैं और वह वर्षों से पार्टी के लिए समर्पित रहते आए हैं,यह नियुक्ति उनके पार्टी के प्रति समर्पण और निष्ठा का ही परिणाम है। उनकी नियुक्ति से उनके जान पहचान के लोग साथ ही सरगुजा लोकसभा क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ता काफी उत्साहित हैं सभी ने उन्हें बधाई प्रेषित की है।

संभाग स्तरीय काव्य पाठ प्रतियोगिता सम्पन्न

सरगुजा संभाग के समस्त जिलों से आए 192 प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

-संवाददाता-

अंबिकापुर,24 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

रजत जयन्ती महोत्सव 2025 के उपलक्ष्य में मंगलवार को राज्य युवा आयोग छत्तीसगढ़ तथा जिला प्रशासन खेल युवा कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में संभाग स्तरीय काव्य-पाठ प्रतियोगिता का आयोजन शासकीय राजीव गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर में किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ लुण्ड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज के द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रवलन कर किया गया। इस दौरान राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष श्री विश्व विजय सिंह तोमर, महापौर नगर निगम अम्बिकापुर श्रीमती मंजूषा भगत, सभापति श्री हरमिंदर सिंह टिन्नी जनप्रतिनिधियों में श्री भारत सिंह सिसोदिया,श्री विनोद हर्ष, श्री जन्मेजय मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिधि, जिला प्रशासन के अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सहायक संचालक खेल एवं युवा कल्याण श्री राम कुमार सिंह के द्वारा प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। इस दौरान विधायक श्री प्रबोध मिंज ने कहा कि प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं में साहित्यिक एवं सांस्कृतिक चेतना का विकास करना तथा उनकी अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करना है। उन्होंने समस्त प्रतिभागियों को प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं। राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष श्री विश्व विजय सिंह तोमर ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए बताया कि 04 अक्टूबर 2025 को संभाग से चयनित प्रथम तीन प्रतिभागी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता रायपुर में भाग लेंगे। जहाँ पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को क्रमशः 50 हजार, 30 हजार एवं 20 हजार नकद पुरस्कार प्रदान किया जाएगा साथ ही राष्ट्रीय कवियों के साथ मंच पर काव्य-पाठ करने का अवसर भी दिया जाएगा। प्रतियोगिता में संभाग के समस्त जिलों से 15 से 29 आयु वर्ग के 192 प्रतिभागियों के द्वारा पंजीकरण कराया गया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सुश्री खुशबू गुप्ता जिला सरगुजा, द्वितीय स्थान सुश्री अलीशा शेख जिला कोरिया एवं तृतीय स्थान सुश्री स्नेहा गुप्ता जिला सरगुजा के द्वारा प्राप्त किया गया। प्रतियोगिता में निर्णयन कार्य श्री संतोष सरल, श्री रंजीत सारथी, डॉ. विश्वासी एक्का के द्वारा किया गया। प्रतियोगिता पश्चात स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार, ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को क्रमशः 15 हजार, 10 हजार एवं 5 हजार नकद पुरस्कार प्रदान किया गया।

बोलेरो से ठोकर मारकर 2 लोगों की हत्या करने के मामले में थाना रामानुजनगर पुलिस ने 4 आरोपियों को किया गिरफ्तार

-संवाददाता-

सूरजपुर,24 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

विगत मंगलवार को ग्राम तिवरागुड़ी निवासी पूरन रवि ने थाना रामानुजनगर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 22.09.2025 के रात्रि 11 बजे आरोपी ओम प्रकाश, जयप्रकाश, नर्मदा व बाबुलाल के द्वारा बोलेरो वाहन से पुरानी रंजीश को लेकर हत्या करने के नियत से इसके भाई त्रिवेणी, भतीजा राजाबाबु, करन को ठोकर मार दिए है। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना रामानुजनगर में धारा 109(1), 324(4), 3(5) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। विवेचना दौरान प्रकरण के आहत राजाबाबु उम्र 19 वर्ष व त्रिवेणी उम्र 35 वर्ष की उपचार के दौरान मृत्यु हो गई। प्रकरण में पृथक से धारा 103(1) जोड़ी गई जबकि करन घायल है। मामले की सूचना पर डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने आरोपियों की पतासाजी कर जल्द पकड़ने पुलिस टीम गठित कर लगाया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो के मार्गदर्शन में विवेचना के दौरान प्राप्त सूचना व नई तकनीक की मदद से आरोपियों का पीछा कर उड़ीसा के बृजराजनगर में घेराबंदी कर आरोपी जयप्रकाश पिता नर्मदा उम्र 28 वर्ष, नर्मदा पिता स्व. हरवंश उम्र 62 वर्ष, बाबुलाल पिता स्व. हरवंश उम्र 60 वर्ष एवं ओम प्रकाश पिता नर्मदा उम्र 33 वर्ष सभी निवासी ग्राम तिवरागुड़ी जूनापारा थाना रामानुजनगर को पकड़ा गया। पूछताछ पर आरोपियों ने बताया कि खेत से उखाड़कर करन के द्वारा मुंगफली खाने की बात को लेकर विवाद हुआ था जिसके बाद उसके परिजन वहां आकर विवाद करने लगे इसी रंजीश को लेकर वारदात को अंजाम दिया गया। मामले में चारों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है और आगे की विवेचना जारी है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी रामानुजनगर अलरिक लकड़ा, एएसआई मनोज पोर्ते, प्रधान आरक्षक रामजतन सिंह, आरक्षक मितेश, राजेश नायक, गजेन्द्र पाल की पुलिस टीम सक्रिय रही।

करंजी और भटगांव का मुकाबला ड्रॉ मेंडराखुर्द ने जामदोहर को 3-1 से हराया

-संवाददाता-

अंबिकापुर,24 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

गांधी स्टेडियम में चल रही संभाग स्तरीय नॉकआउट कम लीग फुटबॉल प्रतियोगिता के अंतर्गत बुधवार को दो मुकाबले खेले गए। पहला मैच रेलवे करंजी और न्यू बॉयज क्लब भटगांव के बीच खेला गया, जो कड़े संघर्ष के बाद 0-0 की बराबरी पर समाप्त हुआ। मैच के पहले हाफ में दोनों टीमों ने अच्छा तालमेल दिखाया और कई अच्छे मौके बनाए, लेकिन कोई भी टीम गोल करने में सफल नहीं हो सकी। दूसरे हाफ में भी गोल करने के प्रयास जारी रहे,पर दोनों टीमों की रक्षापंक्ति ने अच्छा प्रदर्शन किया। अंतत- मैच गोलरहित ड्रॉ पर समाप्त हुआ।

दूसरा मुकाबला फुटबॉल क्लब जामदोहर और फाइटर क्लब मेंडराखुर्द के बीच खेला गया। इस मैच के मुख्य अतिथि रणविजय सिंह तोमर, संरक्षक जिला फुटबॉल संघ, एवं जगजीत मिंज रहे। पहले हाफ में मेंडराखुर्द की टीम ने बेहतरीन तालमेल के साथ खेलते हुए 1-0 की बढ़त बना ली। दूसरे हाफ में मेंडराखुर्द ने छोटे-छोटे पास खेलते हुए दो और गोल दागे और 3-0 की मजबूत बढ़त हासिल की। हालांकि मैच के अंतिम क्षणों में जामदोहर ने एक गोल कर अंतर को कम किया, लेकिन अंतत- मेंडराखुर्द ने 3-1 से जीत दर्ज की। मैच के निर्णायक दिनेश कुमार तिर्की, आयुष प्रकाश, अखिलानंद, कमलेश्वर मंगल एवं दीपक कुजूर थे।

गुरुवार का पहला मैच सूरज क्लब तालपारा और ट्राइबल टाइगर अंबिकापुर के बीच, जबकि दूसरा मैच सरगुजा 11 अंबिकापुर और रेलवे करंजी के बीच खेला जाएगा।

ग्रामीण बैंक का क्षेत्रीय कार्यालय बना भ्रष्टाचार का अड्डा

बैंक बीसी नियुक्ति में नियमों का पालन नहीं,लेन देन से जारी है नियुक्ति

-ओंकार पाण्डेय-

सूरजपुर,24 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक का कोरिया मुख्यालय स्थित क्षेत्रीय कार्यालय भ्रष्टाचार का अड्डा बन गया है। यहां से पैसे लेकर बैंक बीसी की आईडी धड़ल्ले से चालू की जा रही है। वहीं आईडी चालू करने में लोकेशन, सर्विस एरिया और आवेदन की वरियता का ध्यान भी नहीं रखा जा रहा है। चहेतों के खिलाफ मिल रही शिकायतों के बावजूद उनका उन पर कार्यवाही नहीं की जा रही है। इस संबंध में बताया जाता है कि कोरिया जिला मुख्यालय स्थित छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक का क्षेत्रीय कार्यालय स्थित है। सूरजपुर जिला भी इसी मुख्यालय के अंतर्गत के आता है। इस कार्यालय के आला अधिकारियों की अनुमति और अनुशंसा से ही बैंक बीसी, बैंक सखी आदि की नियुक्ति की जाती है। जिसके लिए पहले संबंधित बैंक से सेटलमेंट और कमीशन एकाउंट खोला जाता है। जिसके स्वीकृति पहले क्षेत्रीय कार्यालय के आला अधिकारियों की सहमति अथवा अनुमति ली जाती है। यह सहमति अथवा अनुमति उन्हीं आवेदकों को दी जाती है जो आला अधिकारियों को मोटा पैसा चढ़ावे में चढ़ाते हैं। चढ़ावे के बाद चहेतों को बीसी आईडी के लिए जरूरी सेटलमेंट और कमीशन एकाउंट खोलने के लिए संबंधित शाखा प्रबंधक को क्षेत्रीय कार्यालय से इशारा किया जाता है। तब कहीं जाकर बैंक बीसी की आईडी जिसे के ओ कहते हैं जारी की जाती है। क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा कभी इस बात की जांच भी नहीं कराई जाती है कि उनके द्वारा जारी कायोस्क निर्धारित स्थान में संचालित हो रहा है अथवा नहीं। बैंक बीसी द्वारा प्रति हजार 10 से 20 रूपए का आहरण किया जा रहा है। जिसकी जांच सेटलमेंट एकाउंट से ही करने पर साबित होता है कि बैंक बीसी द्वारा भ्रष्टाचार किया जा रहा है। लेकिन क्षेत्रीय कार्यालय और ग्रामीण बैंक प्रबंधन को इस बात से कोई मतलब नहीं है कि उनके उपभोक्ताओं को लूटा जा रहा है।

कर्मचारियों ने बीएमओ को हटाने की मांग,कामबंद हड़ताल की चेतावनी

-संवाददाता-

बलरामपुर,24 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के वाड्रफनगर स्थित 100 बिस्तरीय अस्पताल में इन दिनों बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। अस्पताल के स्टाफ ने खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. हेमंत दीक्षित पर गंभीर आरोप लगाते हुए उन्हें तत्काल पद से हटाने की मांग की है। कर्मचारियों का कहना है कि यदि 2-3 दिनों के भीतर कार्रवाई नहीं हुई तो वे अस्पताल में कामबंद हड़ताल करेंगे। कर्मचारियों ने आरोप लगाया है कि डॉ. हेमंत दीक्षित के इंचार्ज बनने के बाद से अस्पताल का माहौल बिगड़ गया है। उनका कहना है कि डॉक्टर लगातार स्टाफ को मानसिक रूप से प्रताड़ित करते हैं, बिना गलती के टारगेट कर अपमानजनक शब्दों का प्रयोग करते हैं। महिला कर्मचारियों ने भी शिकायत की है कि वे फोन पर यार जैसे अभद्र शब्दों का प्रयोग करते हैं, जिससे कई बार पारिवारिक तनाव की स्थिति बनती है। इतना ही नहीं, मरीजों और उनके परिजनों के सामने कर्मचारियों को डांट-फटकार लगाई जाती है, जिससे स्टाफ की छवि धूमिल होती है और अस्पताल की सेवाओं पर असर पड़ता है। कर्मचारियों ने इस बार लिखित शिकायत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला बलरामपुर को सौंपी है। शिकायत में स्पष्ट लिखा गया है कि यदि 2-3 दिन में डॉ. हेमंत दीक्षित को पद से नहीं हटाया गया, तो समस्त स्टाफ कामबंद हड़ताल पर चला जाएगा,जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। इस पूरे मामले ने स्वास्थ्य विभाग में हलचल मचा दी है। अब देखना यह होगा कि जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग इस विवाद पर क्या कदम उठाता है।

युवा ठेकेदार की पत्नी ने की आत्महत्या,ऑनलाइन मंगाई थीं जहर

-संवाददाता-

अंबिकापुर,24 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

शहर के एक युवा ठेकेदार की पत्नी ने मंगलवार की देर शाम कीटनाशक खाकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या का कारण घरेलू विवाद बताया जा रहा है। उसने ने ऑनलाइन सल्फास की गोलियां मंगाई थीं। शहर के नवापारा निवासी सुधाकर सिंह उर्फ चुन्नू 37 वर्ष ठेकेदारी करता है। वर्तमान में वह गोधनपुर स्थित वसुंधरा विहार कॉलोनी में अपनी पत्नी पत्नी निशा सिंह 34 वर्ष व 14 वर्षीय व 8 वर्षीय 2 बेटियों के साथ रह रहा था। मंगलवार की देर शाम उसकी पत्नी ने अज्ञात कारणों से सल्फास की गोलियां खा लीं। इसकी जानकारी उसने फोन पर पति को दी। यह सुनते ही वह घर पहुंचा और उसे शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे रायपुर के लिए रेफर कर दिया। एंबुलेंस से रायपुर ले जाने के दौरान उसने कुछ देर बाद ही रास्ते में दम तोड़ दिया। बुधवार की सुबह पुलिस ने मेडिकल कॉलेज अस्पताल में पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। ठेकेदार की पत्नी द्वारा आत्महत्या की वजह घरेलू विवाद बताया जा रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि मृतका ने कुछ दिन पूर्व ही ऑनलाइन ऐप के माध्यम से सल्फास की गोलियां मंगाई थीं। इसका सेवन ही उसने मंगलवार की शाम को किया। सल्फास एक कीटनाशक है, जिसका उपयोग कीड़ों से अनाज को बचाने के लिए किया जाता है।

C M Y K

25 SEPTEMBER 2025 AMBIKAPUR GG NEWS PAPER_Layout 2 9/24/2025 11:39 PM Page 5

कटगोड़ी में ग्रामीण स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता का हुआ भव्य समापन

ओदारी ने 1-0 से सागरपुर को हराया

-राजन पाण्डेय-

कोरिया/सोनहत,24 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

ग्राम पंचायत कटगोड़ी में चल रही ग्रामीण स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता का मंगलवार को भव्य तरीके से समापन हुआ। समापन समारोह में बड़ी संख्या में ग्रामीण जन, अतिथिगण और खेल प्रेमी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत सदस्य शिव कुमारी सोनपाकर उपस्थित रहीं। विशिष्ट अतिथियों में भाजपा मंडल अध्यक्ष राजाराम राजवाड़े जनपद अध्यक्ष आशा सोनपाकर मंडल महामंत्री मनोज साहू भाजयुमो जिला मंत्री रमेश तिवारी सुरेश राजवाड़े, राजू साहू उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम पंचायत कटगोड़ी की सरपंच पुष्पा सिंह द्वारा की गई। इस अवसर पर मुख्य रूप से भोला यादव राजेश साहू जनपद सदस्य कमलकांत पूर्व जनपद सदस्य कृष्णा राजवाड़े सुभाष जयसवाल,रमेश तिवारी दीपक जायसवाल दिलीप राजवाड़े दिलीप यादव चिराग तिवारी मोतीलाल राजवाड़े रिंकू राजवाड़े राजेश्वर साहू बीरेंद्र सिंह अनुज राजवाड़े बालकृष्ण देवागन सरोज साहू धनेश्वर सिंह अनिल सोनपाकर शैलेन्द्र राजवाड़े अनिल राजवाड़े सिवाली सिंह पूर्व सरपंच राम कुमार सिंह,आयोजन समिति के सदस्य गण एवं अन्य सम्मानित ग्रामीण जन खेल प्रेमी भारी संख्या मे उपस्थित रहे। आयोजन को सफल बनाने में राजहंस,राधेश्याम राजवाड़े , पंकज राजवाड़े , विक्की एवं आयोजन समिति के सभी सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

फाइनल मुकाबला:ओदारी बनी विजेता टीम

प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में ओदारी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सागरपुर टीम को 1-0 से पराजित कर खिताब अपने नाम किया। ओदारी टीम द्वारा मैच के दूसरे हाफ में किया गया एकमात्र गोल निर्णायक साबित हुआ। सागरपुर की टीम अंतिम समय तक गोल बराबर करने का प्रयास करती रही परंतु असमर्थ रही।

अतिथियों ने खिलाड़ियों को किया संबोधित

मुख्य अतिथि शिव कुमारी सोनपाकर ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा> ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे आयोजनों से युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है। खेल से न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक विकास भी होता है। मंडल अध्यक्ष राजाराम राजवाड़े ने कहा- खेल युवाओं को अनुशासन और टीम भावना सिखाते हैं। इस तरह के आयोजन से गांवों में सकारात्मक वातावरण बनता है। युवा नेता मनोज साहू ने कहा- ग्राम स्तर पर इस प्रकार की प्रतियोगिताएं नई प्रतिभाओं को सामने लाने का माध्यम हैं। आगे भी ऐसे आयोजनों को और प्रोत्साहित किया जाएगा।

मिलेट्स व्यंजनों एवं स्थानीय उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई गई

-संवाददाता-

मनेन्द्रगढ़,24 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ रजत जयंती सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत शा विवेकानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय में, आत्मनिर्भर भारत एवं वोकल फार लोकल के उद्देश्य से मिलेट्स व्यंजनों एवं पोषण आहारों की प्रदर्शनी लगाई गई जिसमें कोरिया मोदक और रागी बर्फी, बाजरा बर्फी, खीर ज्वार गुलाब जामुन, रागी मसाला डोसा, कोदो उपमा,मिलेट्स मंचूरियन बाजार मसाला,कोदो इडली ज्वार मसाला, डोसा के अतिरिक्त कोरिया एग्रो प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड छत्तीसगढ़ के द्वारा उत्पादित शहद, साबुन के उत्पाद आम लोगों के लिए सुलभ कराए गए। कृषक उत्पादक समूह की प्रमोटर इशा रजक ने बताया कि - कोरिया जिला प्रशासन के द्वारा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्व सहायता समूह के माध्यम से निरंतर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। महिलाएं निरंतर लघु कुटीर उद्योग जैसे लघु व्यवसाय में पारंगत हो रही हैं। प्रदर्शनी में ईशा रजक के अतिरिक्त परमेश्वर सिंह ,कुमकुम ,माही लक्ष्मी महिला उत्पादक समूह एवं कुमकुम महिला उत्पादक समूह की महिलाएं उपस्थित थी। नागपुर की सरस्वती स्वयं सहायता समूह के द्वारा गृह उद्योग के द्वारा निर्मित स्वादिष्ट अचार,चिप्स बरी की खरीद एवं बिक्री की भी प्रदर्शनी लगाई गई। सरस्वती स्वयं सहायता समूह ग्राम पंचायत लोहारी के द्वारा उत्पादित अरहर दाल, सुगंधित जीरा फुल चावल एवं लक्ष्मी महिला उत्पादक समूह चनवारीडांड द्वारा दिया बाती का काउंटर लगाया। यह समस्त उत्पाद वोकल फार का लोकल की अवधारणा के तहत रजत जयंती समारोह 2025 एवं जन सेवा कल्याण सहभागिता पखवाड़ा के अंतर्गत रखा गया । इस अवसर पर विशेष व्याख्यान का कार्यक्रम भी रखा गया। योग सेवा समिति की ओर से सतीश उपाध्याय ने स्व सहायता समूह के द्वारा उत्पादित विभिन्न उत्पाद खरीदकर मिलेट्स के व्यंजनों की पौष्टिकता एवं महिलाओं स्व सहायता समूह के कार्यों की प्रशंसा की।

सांसद से मुलाकात कर विभिन्न मुद्दों पर की चर्चा मांग पत्र भी सौंपा

-संवाददाता-

कोरिया,24 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

कांग्रेस नेता अनित दुबे एवं पंच संघ के अध्यक्ष प्रेम सागर तिवारी व लव प्रताप सिंह ने कोरबा सांसद ज्योत्स्ना महंत से मुलाकात कर विभिन्न मांगों का पत्र सौंपा, अनित दुबे ने सांसद को क्षेत्र की स्थितियों व पार्टी की गतिविधियों से अवगत कराया,साथ ही क्षेत्र कई समस्याओं को भी सांसद से अवगत कराया जिस पर सांसद ने सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देकर समस्याओं का निराकरण कराया। सांसद कोरबा ने सोनहत क्षेत्र में संचालित विकासकार्यो की जानकारी ली साथ ही पूर्व में सांसद निधि से स्वीकृत कार्यो की भी जानकारी ली, अनित दुबे ने क्षेत्र में किसानों की समस्या बिजली पानी की समस्याओं के मद्दे नजर कई समस्याओं से अवगत कराया।

कलेक्टर ने विभिन्न शासकीय संस्थानों एवं शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन का किया निरीक्षण

-संवाददाता-

कोरबा,24 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

कलेक्टर अजीत वसंत ने आज पाली विकासखंड में विभिन्न शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन एवं शासकीय संस्थाओं का निरीक्षण किया। इस अवसर पर एसडीएम पाली श्रीमती सीमा पात्रे सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर ने पाली में प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना का लाभ उठा रहे हितग्राही श्री आनंद जायसवाल के घर पहुँचकर योजना से मिल रहे लाभ एवं क्रियान्वयन की जानकारी ली। उन्होंने हितग्राही से पैनल की लागत, उत्पादन क्षमता, सब्सिडी के सम्बंध में चर्चा की। उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारी को सभी लोगों तक योजना की पहुंच बढ़ाने हेतु व्यापक प्रचार प्रसार करने एवं योजना का प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए। ततपश्चात कलेक्टर श्री वसंत ने ग्राम लाफा में निर्माणाधीन एकलव्य हॉस्टल का निरीक्षण कर समय सीमा में निर्माण कार्य पूर्ण करने निर्देशित किया एवं गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के बात कही।

निरीक्षण की कड़ी में कलेक्टर ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लाफा में कर्मचारियों की उपस्थिति, दवाई की उपलब्धता,मरीजों के उपचार की व्यवस्था का अवलोकन किया उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों को केंद्र में समय पर उपस्थित रहकर आमजनो को स्वास्थ्य लाभ पहुचाने के लिए कहा। उन्होंने केंद्र में गर्भवती महिलाओं की विशेष देखरेख की व्यवस्था व चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने निर्देशित किया गया। अंत मे कलेक्टर ने चैतुरगढ़ में माता महिषासुर मर्दिनी के दर्शन कर नवरात्रि पर्व के आयोजन का निरीक्षण किया। उन्होंने मंदिर परिसर का अवलोकन करते हुए आवश्यक सुविधाओं का जायजा लिया एवं परिसर में स्थित भंडार कक्ष का मरम्मत कराने एवं अन्य व्यवस्था सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

दुकान निर्माण के लिए 9 साल पहले लिया गया पैसा पर आज तक दुकान का नहीं हुआ निर्माण

पीड़ित मांग रहा जनपद मुख्य कार्यपालन अधिकारी से अपना दिया हुआ पैसा

-संवाददाता-

बलरामपुर,24 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

अजीबो-गरीब कारनामा अक्सर प्रशासनिक अधिकारियों का सामने आ जाते हैं जिसे देखकर ऐसा लगता है कि ना जाने कैसे-कैसे नौसिखियों के हाथ प्रशासन चलाने की जिम्मेदारी है? एक कहावत है घर बसा नहीं और लुटेरे आ गए, कुछ इसी तर्ज पर दुकान बना नहीं और पैसा हितग्राहियों से ले लिया गया पर आज तक दुकान बना भी नहीं पाई मामला 2016 का है और आज 2025 चल रहा है हितग्राही दुकान निर्माण का इंतजार कर रहे हैं वह भी पगड़ी का पैसा देकर अब ना तो दुकान निर्माण हो रहा है और ना ही पगड़ी का पैसा वापस हो रहा है 9 साल से हितग्राही अपना डेढ़ लाख रुपए देकर प्रतिदिन मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत शंकरगढ़ से अपने दिए गए पैसे की मांग कर रहा है सवाल यह है कि जब दुकान बनाना नहीं था तो पैसे लिए क्यों गए? और यदि दुकान बनाना ही था तो बनने से पहले पैसे लेने का कौन सा प्रावधान जनपद पंचायत शंकरगढ़ में आया हुआ था? शिकायतकर्ता विकास मिश्रा, आत्मज राममूरत मिश्रा, निवासी ग्राम शंकरगढ़, जिला बलरामपुर ने शिकायत किया है कि जनपद पंचायत शंकरगढ़ के प्रपत्र क्रमांक क्र मांक/506/ज.पं./2016 शंकरगढ़, दिनांक 29/10/2016 को दुकान निर्माण की सूचना जारी की गई थी। जिसके बाद मेरे द्वारा पगड़ी के रूप में दिनांक 16/11/2016को 1,50,000/- (एक लाख पचास हजार) रूपये छ.ग. राज्य ग्रामीण बैंक के पीछे निर्माण होने वाली दुकान के लिए जमा किया गया था। जो कि आज दिनांक तक दुकान का निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ है व मुझे दुकान अप्राप्त है। मेरे द्वारा पूर्व में भी कार्यालय जनपद पंचायत शंकरगढ़ में कई आवेदन किया गया था लेकिन आज दिनांक तक कोई कार्यवाही नहीं की गई है। उसने आगे बताया कि मैं आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्ति व बेरोजगार हूँ। दुकान निर्माण के लिये जमा की गई राशि 1,50,000/- (एक लाख पचास हजार) रूपये उधार मांग कर मेरे द्वारा जनपद में जमा किया गया है,मुझे रोजगार हेतु दुकान की नितांत आवश्यकता है।

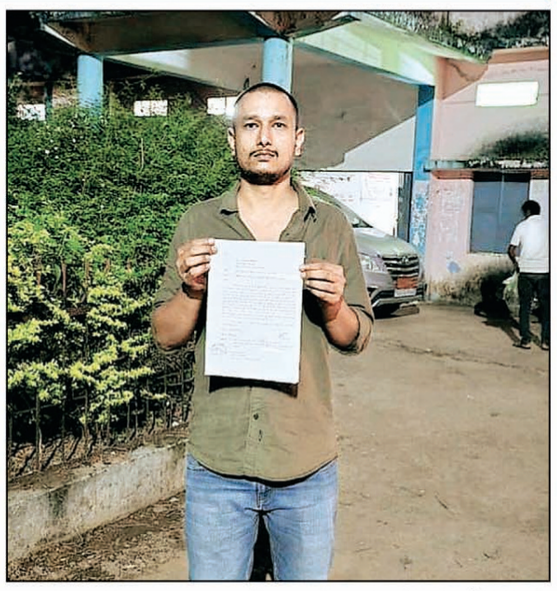

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER, (E&M) DIVISION PUBLIC HEALTH ENGG.DEPTT. AMBIKAPUR (C.G.)

Cancelled Tender/2025-26 Dated 12-09-2025

The Following Tender is hereby made against the NIT No. 05 Date 18-08-2025 (G.No. 252602926/1) is cancelled as per rules, Since there was no any one eligible tenderer was found in the Tender invitation, Therefore said tender has to be cancelled and fresh tender has to be invited.

Executive Engineer
(E&M) Division PHED
Ambikapur (C.G.)

जी नंबर-252603629/1

कार्यालय अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग (भ/स) अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर

निविदा आमंत्रण तिथि

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

01. निविदा की विस्तृत जानकारी के लिये Log in करें http://eproc.cgstate.gov.in
02. संबंधित संभाग- स.क्र. 1 मनेन्द्रगढ़, स.क्र. 2 सूरजपुर संभाग
03. स.क्रं. 1 एवं 2 'स' वर्ग एवं ऊपर ठेकेदार
04. ऑनलाईन निविदा डालने की अंतिम तिथि स.क्र. 1- 07.10.2025 एवं स.क्र. 2 -13.10.2025

सरल क्र.	एन.आई.टी.क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)
1	2	3	4
1	187	उपसंभाग मनेन्द्रगढ़ के अंतर्गत निम्न मार्ग में बी.टी. पैच रिपेयर कार्य । 1. केन्दई- बरदर- बैकुण्ठपुर-सोनहत - रामगढ़- म.प्र. सीमा मार्ग (एस.एच.-15) 2. मनेन्द्रगढ केल्हारी जनकपुर मार्ग (एस.एच.-08), 3. बिहारपुर बदरा सोनहत मार्ग (मुख्य जिला मार्ग), 4. बैकुण्ठपुर बडगाव पतरापाली बचरापोडी रतनपुर मार्ग (मुख्य जिला मार्ग). 5. कोरबा चिरमिरी मार्ग (मुख्य जिला मार्ग), 6. नागपुर चिरमिरी मार्ग (मुख्य जिला मार्ग). 7. उधनापुर-बुंदेली मार्ग (ग्रामीण मार्ग), 8. पाराडोल मेरो मार्ग (ग्रामीण मार्ग) 9. मेरो से कदरेवा मार्ग (ग्रामीण मार्ग) (द्वितीय आमंत्रण)	200.00
2	188	जिला सूरजपुर के कसलगिरी से शिवसागरपुर तक लंबाई 1.40 कि.मी. मार्ग निर्माण कार्य । (प्रथम आमंत्रण)	193.79

अधिक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग
अम्बिकापुर,मण्डल अम्बिकापुर

जी नंबर-252603684/4

क्या इस वर्ष महाविद्यालय के छात्रों का भविष्य रहेगा अधर में?

अतिथि व्याख्याताओं की नियुक्ति नहीं होने से कॉलेज में बंद है अधिकांश कक्षाएं

क्या उच्च शिक्षा विभाग को छात्रों के भविष्य की नहीं है चिंता?

सितंबर माह समाप्ति की ओर अभी तक पढ़ाई शुरू नही, छात्रों को सता रही भविष्य की चिंता

महाविद्यालयों में अध्ययनरत छात्रों के भविष्य से हो रहा खिलवाड़

-राजन पाण्डेय-

कोरिया,24 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

सितंबर माह बीतने को है अक्टूबर आने वाला है कुछ दिनों में दशहरे दीपावली की छुट्टियां लग जाएंगी लेकिन सरगुजा सम्भाग के अधिकांश महाविद्यालयों में अभी तक पढ़ाई शुरू नही हुई है, विज्ञान संकाय का तो और बुरा हाल है प्राणी शास्त्र जीव विज्ञान वनस्पति विज्ञान रसायन एवं भौतिकी के छात्रों का बुरा हाल है क्योंकि पढ़ाई अभी तक शुरू नही हुई है। अब सवाल यह है कि पढ़ाई क्यों शुरू नही हुई तो इसका जवाब है कि अतिथि व्यख्याताओ की नियुक्ति नही हुई। अब सवाल उठता है कि नियुक्ति क्यों नही हुई तो सूत्रों से जवाब मिलता है कि सब प्रक्रिया पूरी है लिस्ट भी तैयार है लेकिन रोक ऊपर से लगी है। उसके बाद फिर सवाल उठता है कि ये ऊपर वालो को छात्रों के भविष्य की चिंता है भी या नही, कहने को इस समय छत्तीसगढ़ में डबल इंजन की सुशासन वाली सरकार है लेकिन सुशासन की इस सरकार में छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ क्यों किया जा रहा है इसका जवाब किसी के पास नही है, अक्टूबर आने को है अभी तक कालेजों में अतिथि व्यख्याताओ की नियुक्ति नही हुई है, आगे नियुक्ति होगी भी या नही इसकी जानकारी नही है, और होती भी है तो इतने कम समय मे कोर्स पूरा होना तो दूर आधा भी पढ़ाया जा सकेगा या नही यह विचारणीय प्रश्न है। लेकिन शायद विभाग को इन सब चीजों से कोई सरोकार नही है क्योंकि नुकसान होगा भी तो छात्रो का होगा अधिकारियों का नह।

सरगुजा सम्भाग में सरकारी कॉलेजों पर निर्भरता

सरगुजा सम्भाग में ग्रामीण और आदिवासी अंचल ज्यादा है ऐसे में ग्रामीण क्षेत्रो के लोग सरकारी कॉलेजों पर ही निर्भर है। मजदूरों किसानों और मध्यम वर्गीय परिवार के बच्चे ज्यादा है जो बड़े कालेजों की बजाय सरकारी कॉलेजों के रुख करते हैं और सरकारी व्यवस्थाओं पर ही उनकी निर्भरता रहती है। ऐसी स्थिति में यदि अतिथि व्यख्याताओ की नियुक्ति में देरी होती है तो इसका सीधा असर कई ग्रामीण छात्र छत्राओ पर पड़ता है। ग्रामीण अंचल के छात्र छात्राओं ने एक स्वर में शासन से जल्द अतिथि व्याख्याताओं की नियुक्ति कर कॉलेज में अध्यापन कार्य प्रारंभ कराए जाने की मांग किया है।

आदेश के मुख्य बिंदु

जिन महाविद्यालयों में अतिथि व्याख्याताओं की नियुक्ति की कार्यवाही प्रक्रिया में है,उसे तत्काल प्रभाव से रोक दिया गया है...

जिन महाविद्यालयों में पहले ही अतिथि व्याख्याताओं को नियुक्ति पत्र जारी किए जा चुके हैं, वहाँ यह आदेश प्रभावी नहीं होगा...

जांच समिति से कहा गया है कि वह अतिथि व्याख्याता नीति 2024 के परिप्रेक्ष्य में हुई नियुक्तियों की गहन जांच कर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करे...

पृष्ठभूमि

हाल ही में अतिथि व्याख्याताओं की भर्ती प्रक्रिया को लेकर प्रदेशभर में सवाल उठे थे। कई अभ्यर्थियों और संगठनों ने शिकायत दर्ज करवाई थी कि नियुक्ति में पारदर्शिता नहीं बरती जा रही। इन्हीं शिकायतों के आधार पर शासन ने यह कदम उठाया है।

आयुक्त उच्च शिक्षा से लगी रोक

इस सम्बंध में मिली जानकारी अनुसार छत्तीसगढ़ आयुक्त उच्च शिक्षा संचालनालय द्वारा 24 अगस्त को समस्त प्राचार्य छत्तीसगढ़ शासकीय महाविद्यालय के नाम एक पत्र जारी कर जिन विद्यालयों में अतिथि व्यख्याताओ की नियुक्ति नही हुई है वहां पर नियुक्ति करने पर रोक लगा दिया गया है। इस सम्बंध में मिली जानकारी अनुसार राज्य शासन के संदर्भित आदेश के द्वारा अतिथि व्याख्याताओं की नियुक्ति में विभिन्न माध्यमों से प्राप्त शिकायतों के आधार पर शासकीय महाविद्यालयों में नियुक्त अतिथि व्याख्याताओं की,अतिथि व्याख्याता नीति 2024 के परिप्रेक्ष्य में नियुक्ति की जांच हेतु संभागवार जांच समिति गठित की गई है,जिसका प्रतिवेदन जांच समिति को 07 दिवस के भीतर प्रस्तुत किया जाना था तब तक के लिए जिन महाविद्यालयों में अतिथि व्याख्याताओं की नियुक्ति की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है,को तत्काल प्रभाव से रोका गया है,साथ ही ऐसे महाविद्यालय जहां अतिथि व्याख्याताओं के नियुक्ति पत्र जारी किये जा चुके है,उन महाविद्यालयों में इसका कोई प्रभाव नहीं होगा।

क्या है मामला

विभाग ने अपने जारी आदेश में विभिन्न शिकायतों का हवाला दिया है लेकिन शिकायत किस विषय पर की गई है इसका उल्लेख नही किया गया है सूत्र बताते हैं कि उक्त मामला अब बाहरी और स्थानीय की लड़ाई का है दरअसल अतिथि व्याख्याता भर्ती हाल ही में जारी आदेश के अनुसार अतिथि व्याख्याता भर्ती में अब केवल समान अंक होने पर ही छत्तीसगढ़ के अभ्यर्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी। पहले के नियम में स्थानीय उम्मीदवारों को सीधी प्राथमिकता दी जाती थी. इस बदलाव के बाद बाहरी राज्यों के अभ्यर्थियों को बराबरी का मौका मिल गया,इसके कारण तरह तरह की शिकायतें हुई हैं।

समझिए पुराना और नया नियम

पहले जारी विज्ञापन में यह स्पष्ट किया गया था कि भर्ती प्रक्रिया में छत्तीसगढ़ के निवासियों को प्राथमिकता दी जाएगी। इसी भरोसे पर प्रदेशभर के नेट और सेट पास अभ्यर्थियों ने आवेदन किया। लेकिन हालिया आदेश में शर्त बदल दी गई है। अब केवल समान अंक होने की स्थिति में ही छत्तीसगढ़ के उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी जाएगी,अन्यथा बाहरी राज्यों के अभ्यर्थी भी बराबरी से दावेदार होंगे। यानी पहले की नीति में स्थानीय युवाओं को सीधी प्राथमिकता मिलती।

भर्ती प्रक्रिया और ज्वाइनिंग होने में लगेगा काफी समय

सूत्रों की माने तो भर्ती प्रक्रिया और ज्वाइनिंग होने में अभी काफी समय लग सकता है,क्योंकि एक अभ्यर्थी ने दर्जनों भर कालेजों में अपना फार्म जमा किया है। मेरिट आधार पर कई कालेजों में एक व्यक्ति का नाम मैरिट पर आ सकता है,लेकिन वो ज्वाइनिंग एक ही कालेज में कर सकेगा,ऐसे में कालेज के प्राचार्य को मैरिट लिस्ट के कंडीडेट को एक एक करके ज्वाइनिंग के लिए बुलाना होगा और यदि पहले नम्बर का कंडीडेट ज्वाइन नही करता है तो नियमानुसार दूसरे को बुलाना होगा इस तरह प्रत्येक कंडीडेट को कम से कम सात से दस दिन का समय देना होगा। ऐसी स्थिति में छात्रों का कोर्स पिछड़ना स्वाभाविक है

नुकसान तो महाविद्यालय के छात्रों का हो रहा

बहरहाल शिकायतें जो भी हो पर अतिथि व्यख्याताओ की नियुक्ति में नुकसान तो छात्रों का हो रहा है। एक तो वैसे भी सरकारी महाविद्यालय स्टाफ की कमी से जूझ रहे हैं ऊपर से भर्ती पर रोक,ऐसे में नियुक्ति में ज्यादा विलम्ब हुआ तो छात्रों का कोर्स कैसे पूरा होगा यह बड़ा सवाल है। और छात्रों का कोर्स पूरा नही हुआ तो यह भी तय है इसका असर परीक्षा परिणाम और छात्रों के भविष्य पर पड़ेगा।

आखिर किस तथ्य की जांच करेगी कमेटी

जांच कमेटी आखिर किस तथ्य की जांच करेगी यह बड़ा सवाल है क्योंकि जहां भर्तियां हो गई है वहां जांच नही की जा रही जबकि कायदे से जांच वही की जानी चाहिए थी जहां भर्ती हो चुकी है। और भर्ती हुई तो शासन के नियम और गाइड लाइन के अनुसार हुई या नही,लेकिन यहां तो जहां भर्ती नही हुई है वहां जांच चल रही और जहां भर्ती हो चुकी उसे बिना जांच के सही मान लिया गया है।

क्या कमेटी ने अपना प्रतिवेदन जमा कर दिया?

उच्च शिक्षा विभाग आयुक्त कार्यालय से 24 अगस्त को आदेश जारी किया गया था जिसके अनुसार जांच कमेटी को 7 दिवस में अपना प्रतिवेदन जमा करना था लेकिन 7 दिवस से अधिक हो गए अभी तक कुछ पता नही चल पाया है। ऐसे में छात्रों को पढ़ाई ठप है कालेज में शिक्षक नही है जब शिक्षक आएंगे तो पढ़ाई शुरू हो पाएगी।

छात्र-छात्राओं ने स्लोगन और नुक्कड़ नाटक से बताया,समय पर जांच और इलाज से संभव है बचाव

आदर्श पैरामेडिकल से निकाली गई एचआईवी जागरूकता रैली

-संवाददाता-

मनेन्द्रगढ़,24 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

इंटेंसिफाइड आईईसी कैंपेन 12 अगस्त से 11 अक्टूबर के अंतर्गत जिला अस्पताल अधीक्षक स्वप्निल तिवारी के निर्देशानुसार और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे के मार्गदर्शन में आदर्श पैरामेडिकल इंस्टीट्यूट द्वारा आमा खेरवा स्थित परिसर से भव्य जन जागरूकता रैली निकाली गई। रैली का शुभारंभ आमाखेरवा परिसर से होकर आमाखेरवा चौक,केन्दीय चिकित्सालय,लोक निर्माण विभाग तिराहा से होते हुए बड़े साईं मंदिर में संपन्न हुई। रैली में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं,स्वास्थ्य कर्मियों और स्वयंसेवकों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने हाथों में तख्तियां लेकर एचआईवी जागरूकता संबंधी स्लोगन लगाये और नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर लोगों को एचआईवी के संक्रमण के तरीके,लक्षण,समय पर जांच की आवश्यकता और बचाव के उपायों की जानकारी दी। संस्था के संचालक रमेश सोनी ने कहा कि एचआईवी से डरने की बजाय इसके बारे में सही जानकारी होना आवश्यक है। समय पर जांच और उपचार से बीमारी को नियंत्रित किया जा सकता है। संस्था की सह संचालक श्रीमती अपने विचार रखते हुए कहा की एचआईवी कोई लाइलाज बीमारी नहीं है। यदि समय रहते इसका पता चल जाये तो इसका प्रभावी इलाज संभव है। उन्होंने सभी से सुरक्षित जीवनशैली अपनाने और समाज में जागरूकता लाने की अपील की। इस अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ आईसीटीसी काउंसलर निशा सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि एड्स का कारण एचआईवी या ह्यूमन इम्यूनो डिफिशिएंसी वायरस है। यह वायरस शरीर के इम्यून सिस्टम पर हमला करता है और उसे इतना कमजोर कर देता है कि शरीर का कोई भी दूसरा संक्रमण या बीमारी चलने के काबिल नहीं रहती। अगर इसका समय पर इलाज नहीं किया गया तो आगे चलकर एड्स बन जाता है लेकिन कुछ दवाओं के जरिए मरीज का इम्यून सिस्टम मजबूत रखा जा सकता है ताकि वह जिंदा रह सके। जन जागरूकता रैली के दौरान आदर्श पैरामेडिकल इंस्टीट्यूट के संचालक रमेश सोनी, सह संचालक संजू सोनी, शिक्षक सोहन यादव, मनीषा सिंह मानसी गुप्ता साक्षी मिश्रा रिंकी सिंह,जागृति शुक्ला,आयुष सिंह,प्रियंका,प्रिया,सोनम, आंचल, खुशी, काकुली, भागमती, सुषमा, चांद, राहुल,प्रीतम,नुमान,अंजलि,नैंसी उपस्थित रहे। यह रैली सफलतापूर्वक संपन्न हुई और स्थानीय लोगों ने भी इसकी सराहना की।

राज्य स्तरीय युवा काव्य पाठ प्रतियोगिता में अलीशा करेंगी सरगुजा का प्रतिनिधित्व

-संवाददाता-

कोरिया, 24 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

दिनांक 23 सितंबर को अंबिकापुर पीजी कॉलेज में खेल एवं युवा कल्याण विभाग तथा राज्य युवा आयोग के संयुक्त तत्वावधान में सरगुजा संभाग स्तरीय युवा काव्य पाठ प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया।

इस प्रतियोगिता में सरगुजा संभाग के कुल 57 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। जिला कोरिया का प्रतिनिधित्व करते हुए सुश्री अलीशा शेख ने अपने उत्कृष्ट काव्यपाठ से द्वितीय स्थान प्राप्त कर जिले का गौरव बढ़ाया। 4 अक्टूबर को रायपुर दीन दयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में 5 संभागों के चयनित प्रतिभागियों के बीच राज्य स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित होगी। उन्हें सम्मान स्वरूप ?10,000 की राशि, प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो प्रदान किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्व विजय सिंह तोमर, अध्यक्ष, राज्य युवा आयोग ने विजेताओं को सम्मानित करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिता युवाओं में साहित्यिक अभिरुचि को प्रोत्साहित करती हैं और उन्हें मंच प्रदान करती हैं। अलीशा की उपलब्धि से कोरिया में हर्ष की लहर है आपको बता दें साहित्य में इन्होंने कम उम्र में बड़ा मुकाम हासिल किया है वर्ल्ड बुक ऑफ़ रिकॉर्ड लंदन, इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड और विभिन्न साहित्यिक ख्याति प्राप्त किया है और इस प्रदर्शन को युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बताया जा रहा है।

25 SEPTEMBER 2025 AMBIKAPUR GG NEWS PAPER_Layout 2 9/24/2025 11:39 PM Page 7

पिता की मर्जी के खिलाफ इंडस्ट्री में आई थीं करीना कपूर

बॉलीवुड की बेबो यानी की करीना कपूर अपना 45 साल की हो गई हैं। करीना कपूर ने अपने करियर में कई सफल और बेहतरीन फिल्में दी हैं। करीना कपूर ने फिल्म इंडस्ट्री में अपने 25 साल पूरे कर लिए हैं। एक्ट्रेस आज भी इंडस्ट्री में सक्रिय हैं। करीना कपूर इंडस्ट्री के मशहूर फिल्मी घराने कपूर खानदान से ताल्लुक रखती हैं। एक्ट्रेस करीना कपूर को अभिनय विरासत में मिला है। ऐसे में उनके अंदर अभिनय क्षमता होना स्वाभाविक है। करीना कपूर खान ने मां बनने के बाद न सिर्फ फिल्मों का चयन बदल दिया, बल्कि अपनी जिंदगी और लाइफस्टाइल में भी कई बड़े बदलाव किए। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि इस बदलाव के पीछे उनके पति सैफ अली खान का बड़ा योगदान रहा। उन्होंने न केवल करीना को प्रेरित किया, बल्कि उन्हें प्रेग्नेंसी के बाद दोबारा काम पर लौटने के लिए पूरा समर्थन भी दिया। करीना ने बताया कि करियर के शुरुआती दौर में वह साल में 4-5 फिल्में करती थीं, लेकिन अब उनकी प्राथमिकताएं बदल चुकी हैं। मां बनने के बाद उन्होंने तय किया कि अब वह कम, लेकिन बेहतर और सोच-समझकर काम करेंगी। हृह्वष्ठ मैगजीन से बातचीत में करीना ने कहा, अब मैंने रोल्स के पीछे भागना बंद कर दिया है। मैं देखती हूं कि युवा एक्ट्रेसेस एक फिल्म खत्म करके तुरंत दूसरी शुरू कर देती हैं। मैं खुश हूं कि मेरी जिंदगी का वो दौर बीत चुका है। अब मैं तय करती हूं कि कब और कितना काम करना है। किसी अवॉर्ड शो में जाने के लिए मैं अपने बच्चों को अकेला छोड़ना पसंद नहीं करती। करीना ने यह भी बताया कि उन्होंने लाइफस्टाइल में भी कई बदलाव किए हैं। उन्होंने कहा, अब मैं सुबह जल्दी उठती हूं और वर्कआउट करती हूं। खुद के लिए समय निकालती हूं। हम शाम 6 बजे तक डिनर कर लेते हैं और रात 9:30 बजे तक घर की सारी लाइटें बंद हो जाती हैं।

करीना कपूर की फिल्में

करीना कपूर को फिल्म चमेली के लिए फिल्म फेयर का विशिष्ट प्रदर्शन पुरस्कार भी मिला था। वहीं साल 2007 में आई फिल्म जब वी मेट करीना कपूर के करियर की चुनिंदा फिल्मों में शामिल है,जिसके लिए एक्ट्रेस को आज भी उतना ही यादा पसंद किया जाता है। करीना कपूर ने कभी खुशी कभी गम,अजनबी,3 इडियट्स,चमेली,देव,जब वी मेट,ओमकारा,वीरे दी वेडिंग, और गुड न्यूज़ जैसी कई सफल फिल्में की हैं। करीना कपूर साल 2001 में फिल्म अजनबी में नजर आई थीं। इसमें उनके साथ लीड एक्ट्रेस के तौर पर बिपाशा भी थीं और यह उनकी डेब्यू फिल्म थी। लीड हीरो अक्षय और बॉबी थे, लेकिन फिल्म के शूटिंग के दौरान कुछ ऐसा हुआ, जिसकी कल्पना किसी ने नहीं की थी। दरअसल,सेट पर बॉबी देओल की पत्नी तान्या बिपाशा के कॉस्ट्यूम का ख्याल रखती थीं। ऐसे में करीना को लगने लगा कि बिपाशा को ज्यादा अटेंशन मिल रही है। इसी के चलते दोनों के बीच कोल्ड वॉर रही और सेट पर बहस होने लगी। जब ये बात बबीता को पता चली तो वो तान्या पर चिल्लाने लगीं। जवाब में तान्या ने भी पलटकर जवाब दे दिया। करीना से मां की बेइज्जती बर्दाश्त नहीं हुई और उन्होंने तान्या से झगड़ा शुरू कर दिया। बहस के दौरान करीना ने बिपाशा को काली बिल्ली कहा और उन्हें थप्पड़ मार दिया। जब बॉबी देओल ने बीच-बचाव किया तो करीना उन पर भी बरस पड़ीं। तान्या करीना से इस कदर नाराज हुईं कि उन्होंने करीना को थप्पड़ लगा दिया। सेट पर हुए झगड़े के बाद करीना फिल्म छोड़ना चाहती थीं, लेकिन नुकसान के डर से उन्होंने ऐसा नहीं किया। फिल्मफेयर को दिए इंटरव्यू के दौरान करीना ने कहा था कि उन्हें बॉबी की पत्नी तान्या पसंद नहीं हैं। उसने मेरी मां से बदतमीजी की, जो मुझे पसंद नहीं आया। बिपाशा में भी कॉन्फिडेंट की कमी है।

शादी

करीना कपूर ने बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान से शादी की है। कपल ने 16 अक्तूबर 2012 को शादी रचाई थी। इस शादी से कपल के दो बेटे तैमूर और जहांगीर हैं।

जन्म और परिवार

मुंबई में 21 सितंबर 1973 को करीना कपूर का जन्म हुआ था। उनके पिता का नाम रणधीर कपूर है, जोकि एक अभिनेता हैं और उनकी बहन करिश्मा कपूर भी अभिनेत्री हैं। बताया जाता है कि बचपन में करीना कपूर काफी ज्यादा शरारती हुआ करती थीं। जब वह छोटी थीं, तभी से उनको फिल्मों में रुचि थी और वह फिल्म इंडस्ट्री में आना चाहती थीं। लेकिन करीना कपूर के पिता रणधीर कपूर नहीं चाहते थे कि उनकी बेटी एक्ट्रेस बनें।

फिल्मी सफर

साल 2000 में फिल्म रिफ्यूजी से करीना कपूर ने अपने फिल्मी करियर की शुरूआत की थी। इस फिल्म के लिए करीना कपूर को सर्वश्रेष्ठ नवोदित अभिनेत्री का फिल्म फेयर पुरस्कार भी मिला था। फिर साल 2001 में आई फिल्म मुझे कुछ कहना है से करीना कपूर को सफलता मिली थी। इसके बाद वह करण जौहर की फिल्म कभी खुशी कभी गम में करीना कपूर ने पू का किरदार निभाया था। इस कैरेक्टर को लोगों द्वारा काफी ज्यादा पसंद किया गया था। इस फिल्म के बाद करीना कपूर ने एक से बढ़कर एक फिल्में दीं।

पसंद नहीं तो मत देखो ना हमारी फिल्म : करीना

सिर्फ अपने फैसलों ही नहीं,बल्कि करीना अपने बोल्ड अंदाज के कारण भी अक्सर सुर्खियों में रहती हैं। दरअसल, बॉलीवुड में नेपो किड्स को लेकर चर्चा अक्सर गर्म रहती है। ऐसा ही कुछ उस वक्त हुआ जब आमिर खान की फिल्म लाल सिंह चड्ढा सोशल मीडिया पर बॉयकॉट ट्रेंड का सामना कर रही थी। इस दौरान करीना का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वह नेपोटिज़्म को लेकर इंटरव्यू देती नजर आई। वीडियो में करीना कहती हैं, हमें स्टार किसी और ने नहीं दर्शकों ने बनाया है। ऑडियंस ने ही नेपोटिज्म से जुड़े एक्टर्स को स्टार बनाया है। आप जा रहे हो ना फिल्म देखने? तो मत जाओ। किसी ने जबरदस्ती नहीं की है। सच कहूं तो मुझे यह पूरी नेपोटिज्म वाली चर्चा बहुत अजीब लगती है।

बॉक्स ऑफिस:फिल्म 'जॉली एलएलबी 3' ने फिर पकड़ी रफ्तार

अक्षय कुमार और अरशद वारसी की फिल्म जॉली एलएलबी 3 को सिनेमाघरों में रिलीज हुए 5 दिन हो चुके हैं। इस कोर्टरूम ड्रामा फिल्म की बॉक्स ऑफिस पर शुरुआत शानदार रही, लेकिन कामकाजी दिनों में इसके कारोबार में गिरावट जारी है। हालांकि, मंगलवार को यह फिल्म एक बार फिर पटरी पर लौट आई है।

जॉली एलएलबी 3 ने अब तक कमाए इतने करोड़ रुपये : बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, जॉली एलएलबी 3 ने रिलीज के पांचवें दिन यानी मंगलवार को 6.50 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 65.50 करोड़ रुपये हो गया है। इस फिल्म ने 12.5 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर अपना खाता खोला

था, वहीं दूसरे दिन यह फिल्म 20 करोड़ रुपये और तीसरे दिन 21 करोड़ रुपये कमाने में सफल रही। चौथे दिन इस फिल्म ने 5.5 करोड़ रुपये कमाए।

जॉली एलएलबी 3 ओटीटी पर कहां होगी रिलीज : जॉली एलएलबी 3 के निर्देशन की कमान सुभाष कपूर ने संभाली है, वहीं आलोक जैन और अजीत अंधारे ने इस फिल्म का निर्माण किया है। अक्षय और अरशद के अलावा इस फिल्म में सौरभ शुक्ला, अमृता राव और हुमा कुरैशी जैसे कलाकार भी नजर आ रहे हैं।

सिनेमाघरों में कमाई करने के बाद फिल्म जॉली एलएलबी 3 का प्रीमियर जियो हॉटस्टार पर होगा। इसके अलावा नेटफ्लिक्स ने भी इस फिल्म के ओटीटी राइट्स खरीदे हैं।

दिल्ली की लव-कुश रामलीला से हटाई गईं पूनम पांडेय

हिंदू संगठनों के विरोध के बाद लिया गया फैसला,बीजेपी-वीएचपी ने किया फैसले का स्वागत

दिल्ली की मशहूर लव-कुश रामलीला से एक्ट्रेस पूनम पांडेय को हटा दिया गया है। रामलीला में पूनम मंदोदरी का रोल प्ले करने वाली थीं, लेकिन साधु-संतों और विश्व हिंदू परिषद के विरोध के बाद आयोजकों ने अब यह फैसला लिया है। द हिंदू की रिपोर्ट के अनुसार, लव-कुश रामलीला कमेटी के अध्यक्ष अर्जुन कुमार ने कहा कि हिंदू समाज के विरोध को देखते हुए मंदोदरी का रोल किसी और को दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि पूनम पांडेय को इसकी जानकारी दे दी गई है।

अर्जुन कुमार ने यह भी कहा

पूनम पांडेय अपने रोल को लेकर बहुत उत्साहित थीं। उन्होंने भगवान का आशीर्वाद पाने के लिए व्रत भी रखा था,लेकिन हमें उन्हें रामलीला से हटाना पड़ा, यह दुख की बात है। भगवान राम हमेशा दुनिया को एकता और शांति का संदेश देते थे। अगर रामलीला में किसी कलाकार को लेकर लोग बंटने लगेंगे तो रामलीला का असली उद्देश्य और भगवान के जीवन से मिलने वाली सीख खत्म हो जाएगी। हम नहीं चाहते कि रामलीला के नाम पर समाज में बंटवारा हो। इसलिए पूनम पांडेय से अलग होना ही बेहतर है। फिर भी मैं मानता हूं कि हर किसी को बदलने का मौका मिलना चाहिए।

बीजेपी और विश्व हिंदू परिषद ने फैसले का स्वागत किया

लव-कुश रामलीला समिति के इस फैसले का बीजेपी ने स्वागत किया है। दिल्ली बीजेपी मीडिया प्रमुख प्रवीन शंकर कपूर ने कहा कि जब पूनम पांडेय के मंदोदरी बनने की घोषणा हुई थी, तो साधु संतों और सामाजिक कार्यकर्ताओं में नाराजगी थी। उन्होंने आगे कहा,पूनम पांडेय को मंदोदरी की भूमिका से हटाकर समिति ने धार्मिक समुदाय और आम लोगों की भावनाओं का सम्मान किया है। वहीं,विश्व हिंदू परिषद की दिल्ली इकाई के सचिव सुरेंद्र गुप्ता ने भी समिति के कदम की सराहना की। उन्होंने अपने पत्र में लिखा कि संगठन किसी कलाकार के खिलाफ नहीं है, बल्कि ऐसे सार्वजनिक आयोजनों की सांस्कृतिक पवित्रता बनाए रखने के लिए यह कदम जरूरी है।

पूरा मामला

दरअसल, लव-कुश रामलीला में मॉडल और एक्ट्रेस पूनम पांडेय को मंदोदरी की भूमिका देने पर विवाद बढ़ गया था। लवकुश रामलीला कमेटी के फैसले पर बीजेपी और विश्व हिंदू परिषद ने आपत्ति जताई थी। दिल्ली बीजेपी मीडिया सेल के प्रमुख और लव-कुश रामलीला कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रवीण शंकर कपूर ने आयोजकों को पत्र लिखकर कहा था कि पूनम पांडेय को हटाकर किसी और कलाकार को मौका दिया जाए। हालांकि, कमेटी ने कहा था कि पूनम पांडेय ही रामलीला में मंदोदरी की भूमिका निभाएंगी। लवकुश रामलीला कमेटी के चेयरमैन अर्जुन कुमार ने कहा था कि मंदोदरी की भूमिका 29 और 30 सितंबर को मंच पर आएगी।

खेल समाचार

आईसीसी ने यूएसए क्रिकेट को किया सस्पेंड

नई दिल्ली,24 सितम्बर 2025। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने यूएसए क्रिकेट को निलंबित कर दिया है। आईसीसी के अनुसार, संगठन ने अपनी सदस्यता संबंधी जिम्मेदारियों का लगातार उल्लंघन किया है। 3 साल बाद अमेरिका लॉस एंजिल्स, 2028 ओलंपिक की मेजबानी करेगा। ऐसे में आईसीसी का यह कदम अमेरिकी क्रिकेट के लिए एक अहम मोड़ साबित हो सकता है। बता दें, आगामी ओलंपिक में क्रिकेट फिर से शामिल होने जा रहा है।

क्यों आईसीसी ने लगाया यूएसए क्रिकेट टीम पर प्रतिबंध : आईसीसी की शिकायत के तीन मुख्य बिंदु हैं। यूएसए क्रिकेट का प्रभावी प्रशासनिक ढांचा लागू करने में असफल रहना,क्रिकेट के राष्ट्रीय शासी निकाय के रूप में अमेरिका के ओलंपिक और पैरालंपिक समिति से मान्यता प्राप्त करने में कोई प्रगति न होना और ऐसे कार्य करना जिन्होंने क्रिकेट की प्रतिष्ठा को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नुकसान पहुंचाया। इन कमियों के कारण आईसीसी ने यूएसए क्रिकेट पर कार्रवाई की, जिससे अमेरिकी क्रिकेट के भविष्य पर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं।

आईसीसी ने यूएसए क्रिकेट को दिया था 12 महीने का समय : यह निलंबन अचानक नहीं आया है। जुलाई, 2024 में आईसीसी ने यूएसए क्रिकेट को सदस्यता मानदंडों का पालन न करने के कारण 12 महीने के लिए नोटिस पर रखा था। इसके बावजूद समस्याएं जारी रहीं और जरुरी सुधार नहीं हुए। ऐसे में 2025 की वार्षिक आम बैठक में यूएसए क्रिकेट को निलंबित करना अनिवार्य हो गया। यह कदम आईसीसी के नियमों और अमेरिकी क्रिकेट के प्रशासनिक संकट दोनों का परिणाम था।

क्या ओलंपिक में क्रिकेट को लेकर होगी कोई दिक्कत

यूएसए क्रिकेट पर लगा निलंबन 2028 लॉस एंजेल्स ओलंपिक में क्रिकेट की भागीदारी को प्रभावित नहीं करेगा। ऐसा इसलिए है क्योंकि आईसीसी ने हाल ही में यूएसए क्रिकेट को यूएस ओलंपिक और पैरालंपिक कमेटी से राष्ट्रीय शासी निकाय का दर्जा दिलाने के लिए एक रोडमैप तैयार किया है। आईसीसी की एक कमेटी द्वारा बनाई गई योजना के तहत यूएसए क्रिकेट को अपने बोर्ड में 3 नए स्वतंत्र निदेशक नियुक्त कर प्रशासनिक सुधार करना होगा।

खिलाड़ियों का क्या होगा

खिलाड़ियों की राहत के लिए आईसीसी ने उन्हें इस प्रशासनिक संकट से अलग रखा है। यूएसए की पुरुष और महिला टीमें आईसीसी आयोजनों के लिए पात्र बनी रहेंगी और उनकी हर तैयारी जारी रहेगी। टीम प्रबंधन और उच्च प्रदर्शन संचालन की निगरानी आईसीसी प्रतिनिधियों द्वारा की जाएगी ताकि खिलाड़ियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो और प्रशासनिक बदलाव के दौरान कार्यक्रम की गति बनी रहे। इस कदम से खिलाड़ियों पर नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा और उनका विकास और प्रदर्शन प्रभावित नहीं होगा।

जल्द चुना जाएगा निदेशक

जैसे ही नए निदेशक नियुक्त होंगे, यूएसएसी बोर्ड इस्तीफा देगा और नई चुनाव प्रक्रिया शुरू करेगा। इस चरण में एनजीबी दर्जा प्राप्त करने के लिए आवेदन करेगा। इसी बीच स्वतंत्र निदेशकों और आईसीसी हितधारकों की सलाह से यूएसए क्रिकेट संविधान की पूर्ण समीक्षा और सुधार भी किया जाएगा। हालांकि, निलंबन के बाद अमेरिका में क्रिकेट का संचालन कौन संभालेगा, यह स्पष्ट नहीं है। यह परिवर्तन अमेरिकी क्रिकेट के भविष्य के लिए अहम मोड़ साबित होगा।

श्रेयस अय्यर ने टेस्ट क्रिकेट से ब्रेक लिया

पीठ की समस्या और दबाव के कारण फैसला लिया

नई दिल्ली,24 सितम्बर 2025। मुंबई के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड और मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर को सूचित किया है कि वह अब लाल गेंद (रेड-बॉल) क्रिकेट यानी टेस्ट और प्रथम श्रेणी क्रिकेट से ब्रेक लेना चाहते हैं। यह फैसला उन्होंने लखनऊ में चल रहे इंडिया-ए और ऑस्ट्रेलिया-ए के बीच मैच से हटने के दो दिन बाद लिया। दो महीने के बाद 31 साल के होने वाले अय्यर ने मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर से बात कर अपनी परेशानी बताई। अय्यर ने कहा कि उनके लिए लंबे फॉर्मेट के क्रिकेट का दबाव झेलना मुश्किल हो रहा है और उन्हें पीठ में तकलीफ महसूस हो रही है। इसी कारण उन्होंने इंडिया-ए के मैच से नाम वापस ले लिया।

अय्यर टी-20 और वनडे पर कर सकेंगे फोकस : अय्यर का यह फैसला उनके करियर के लिए एक बड़ा कदम हो सकता है। अब वह वनडे और टी-20 क्रिकेट पर ज्यादा ध्यान दे सकते हैं। साथ ही, पीठ की समस्या को ठीक करने के लिए वह रिहैबिलिटेशन और फिटनेस पर भी काम कर सकते हैं।

टेस्ट टीम चयन से पहले बड़ा कदम : चयनकर्ता 2 अक्टूबर से अहमदाबाद में शुरू होने वाली दो मैचों की वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए 24 सितंबर को टीम चुनने वाले हैं। माना जा रहा था कि सिलेक्टर्स अय्यर को टेस्ट क्रिकेट में वापसी का मौका दे सकते हैं। अय्यर फरवरी 2024 से टेस्ट टीम से बाहर चल रहे हैं। लेकिन उनके इस फैसले के बाद अब यह संभावना खत्म हो गई है।

टेस्ट क्रिकेट में अय्यर का प्रदर्शन : श्रेयस अय्यर ने फरवरी 2024 से टेस्ट क्रिकेट में वापसी नहीं की है। उन्होंने 14 टेस्ट मैच खेले हैं, जिसमें उनकी एकमात्र शतकीय पारी 2021 में न्यूजीलैंड के खिलाफ कानपुर में डेब्यू टेस्ट में आई थी। हाल ही में दलीप ट्रॉफी में उनके प्रदर्शन ने निराश किया, जहां उन्होंने 25 और 12 रन बनाए। इसके बाद इंडिया-ए के लिए पिछले हफ्ते वह सिर्फ 8 रन ही बना सके। हालांकि, पिछले घरेलू फर्स्ट क्लास सीजन में उनका प्रदर्शन शानदार रहा था, जिसके चलते चयनकर्ताओं ने उन्हें इंडिया-ए का कप्तान बनाया था। श्रेयस अय्यर ने वनडे क्रिकेट में अपनी जगह पक्की कर ली है। इस साल उन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग में शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन टी-20 अंतरराष्ट्रीय टीम में जगह बनाने में नाकाम रहे है।

25 SEPTEMBER 2025 AMBIKAPUR GG NEWS PAPER_Layout 2 9/24/2025 11:39 PM Page 8

500 एकड़ में प्रस्तावित चूना पत्थर खदान का जमकर हुआ विरोध प्रशासन ने जनसुनवाई की स्थगित

सारंगढ़,24 सितम्बर 2025। सारंगढ़-बिलाईगढ़ में प्रस्तावित चूना पत्थर खदान को लेकर आज होने वाली लोक सुनवाई स्थगित कर दी गई है। एक दिन पहले ही प्रभावित इलाकों के ग्रामीणों ने इस खदान का बड़े पैमाने पर विरोध किया था।

कलेक्टर ने जारी किया है ये आदेश

इस लोक सुनवाई को स्थगित करने को लेकर जारी कलेक्टर के आदेश में उल्लेख है कि मेसर्स ग्रीन सस्टेनेबल मैनुफैक्चरिंग प्रा0 लि. ग्राम लालाधुरवा, जोगनीपाली,कपिस्दा सरसरा एवं धौराभाठा, तहसील सारंगढ़ जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ में प्रस्तावित चूनापत्थर (मुख्य खनिज) क्षमता 3654413.97 टन प्रतिवर्ष रकबा 200.902 हे0 के लिए पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु लोक सुनवाई हुई स्थगित कर दिया गया है। कलेक्टर द्वारा जारी आदेश के अनुसार अपरिहार्य कारण से 24 सितंबर को होने वाली जनसुनवाई को स्थगित किया गया है। मेसर्स ग्रीन सस्टेनेबल् मैनुफैक्चरिंग प्रा0 लि0 को जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ स्थित लालाधुरवा जोगनीपाली चूनापत्थर ब्लॉक कुल क्षेत्रफल 200.902 हेक्ट0 क्षेत्र में प्रस्तावित चूनापत्थर (मुख्य खनिज) क्षमता 3654413.97 टन प्रतिवर्ष के पर्यावरणीय स्वीकृति लोक सुनवाई हेतु आवेदन किया गया है। उक्त लोक सनुवाई दिनांक 24.09.202 दिन बुधवार समय प्रातः 10.00 बजे स्थान मुडिभाटा स्थित गौठान कपिस्दा (ब) में नियत की गई है. उक्त लोक सुनवाई अपरिहार्य कारणों से स्थगित की गई है।

छत्तीसगढ़ में नया नियम:अब 5 डिसमिल से कम कृषि भूमि की रजिस्ट्री नहीं होगी

रायपुर,24 सितम्बर 2025। छत्तीसगढ़ में अब पांच डिसमिल (लगभग 2200 वर्गफीट) से कम कृषि भूमि की रजिस्ट्री नहीं हो सकेगी। विधानसभा में पारित छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता (संशोधन) अधिनियम 2025 को राज्यपाल की मंजूरी मिल गई है और इसके साथ ही यह कानून प्रदेशभर में लागू हो गया है।

अवैध प्लाटिंग पर रोक : नए प्रावधान के तहत कृषि भूमि का ऐसा कोई उपखंड नहीं बनाया जा सकेगा, जिसका क्षेत्रफल 0.05 हेक्टेयर (पांच डिसमिल) से कम हो। सरकार का मानना है कि इस कदम से अवैध प्लाटिंग और कालोनियों पर प्रभावी रोक लगेगी। पहले डॉ. रमन सिंह सरकार ने भी इसी तरह का नियम लागू किया था, लेकिन भूपेश बघेल सरकार ने इसमें संशोधन कर दिया था। इसके बाद बड़े पैमाने पर कृषि भूमि के छोटे-छोटे हिस्सों में कटाई कर अवैध कॉलोनियां बसाने के मामले बढ़ गए थे। अब नए संशोधन के बाद 2200 वर्गफीट से कम के प्लॉट की रजिस्ट्री पूरी तरह प्रतिबंधित कर दी गई है।

शहरी क्षेत्रों को मिलेगी छूट : यह नियम केवल ग्रामीण कृषि भूमि पर लागू होगा। शहरी क्षेत्रों में डायवर्टेड भूमि पर व्यावसायिक और आवासीय उपयोग के लिए पांच डिसमिल से कम के प्लॉट की रजिस्ट्री पहले की तरह जारी रहेगी।

भ्रष्ट अधिकारी को पदोन्नति पर पदोन्नति

रायपुर,24 सितम्बर 2025। छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे अधिकारियों को पदोन्नति देने की परंपरा एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। नियमों और प्रक्रियाओं की अनदेखी कर ऐसे अफसरों को ऊँचे पद पर बैठा दिया जाता है, जिनके खिलाफ विभागीय जांच और लोकायुक्त में मामले लंबित रहते हैं। इस बार मामला आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग से जुड़ा है,जहां तारकेश्वर देवांगन को बिलासपुर में अपर संचालक का पदभार सौंपा गया है। हैरानी की बात यह है कि उनके खिलाफ कांग्रेस शासनकाल से ही गंभीर भ्रष्टाचार के आरोप लंबित हैं, फिर भी पदोन्नति देने में नियमों का पालन नहीं किया गया। आरटीआई कार्यकर्ता और वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता आशीष देव सोनी ने इस पूरे मामले को उजागर किया है। उनके अनुसार पदोन्नति प्रक्रिया में सरकार द्वारा बनाई गई चेक लिस्ट का पालन अनिवार्य होता है। किसी भी अधिकारी को पदोन्नति देने से पहले यह जांच की जाती है कि उसके खिलाफ किसी विभाग में विभागीय जांच लंबित है या नहीं। यदि जांच लंबित होती है तो संबंधित दस्तावेजों को पदोन्नति की प्रक्रिया में संलग्न किया जाना अनिवार्य है। लेकिन इस मामले में भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे तारकेश्वर देवांगन को पदोन्नति देने में इन सभी नियमों की अनदेखी की गई। जानकारी के अनुसार कांग्रेस शासनकाल में तारकेश्वर देवांगन पर यह आरोप लगा था कि उन्होंने अपनी करीबी कांग्रेसी फर्म स्वाति इवेंट एंड मैनेजमेंट को बिना किसी निविदा प्रक्रिया के 18 लाख रुपये का कार्य आवंटित किया था।

सीएम साय की बड़ी घोषणा : छत्तीसगढ़ केयर कनेक्ट में 3119 करोड़ का निवेश प्रस्ताव,7000 से अधिक रोजगार के अवसर होंगे सृजित

प्रधानमंत्री मोदी जी के विज़न के साथ कदमताल करते हुए छत्तीसगढ़ विकसित भारत का हिस्सा बनेगा:सीएम साय

रायपुर,24 सितम्बर 2025। छत्तीसगढ़ अब केवल कोर सेक्टर तक सीमित नहीं है, बल्कि आने वाले समय में यह वेलनेस, हेल्थकेयर और पर्यटन के क्षेत्र में भी राष्ट्रीय पहचान बनाएगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज ओमाया गार्डन,रायपुर में आयोजित छत्तीसगढ़ केयर कनेक्ट कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री साय ने अपने उद्बोधन की शुरुआत शारदीय नवरात्रि की शुभकामनाओं से की और कहा कि यह आयोजन ऐसे समय में हो रहा है, जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में लागू जीएसटी 2.0 ने अर्थव्यवस्था को सरलता, पारदर्शिता और तेजी की दिशा में आगे बढ़ाया है। इस सुधार ने निवेशकों और उद्यमियों के लिए अभूतपूर्व अवसर खोले हैं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के विज़न के साथ कदमताल करते हुए प्रदेश सरकार ने विकसित छत्तीसगढ़ का लक्ष्य रखा है। इस लक्ष्य को साकार करने के लिए पिछले डेढ़ वर्ष में 350 से अधिक सुधार लागू किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि अब हम इज ऑफ डूइंग बिज़नेस से आगे बढ़कर स्पीड आफ डूइंग बिज़नेस के युग में प्रवेश कर चुके हैं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि नई औद्योगिक नीति छत्तीसगढ़ की प्रगति की आधारशिला है। इसी नीति ने निवेशकों का भरोसा बढ़ाया है और यही कारण है कि मात्र एक वर्ष के भीतर प्रदेश को लगभग 7 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। इन प्रस्तावों से लाखों लोगों के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे और सेवा क्षेत्र को नई पहचान मिलेगी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ केयर कनेक्ट में अस्पतालों और हेल्थकेयर क्षेत्र में 11 बड़े प्रस्ताव सामने आए हैं। इनमें रायपुर का गिन्नी देवी गोयल मणिपाल हॉस्पिटल (500 बेड), नीरगंगा हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर (450 बेड),बॉम्बे हॉस्पिटल (300 बेड) और माँ पद्मावती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (750 बेड) जैसे बड़े प्रोजेक्ट शामिल हैं। स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में कुल मिलाकर 2,466 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश प्रस्तावित है, जिससे लगभग 6,000 नए रोजगार सृजित होंगे। से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इनमें वेस्टिन होटल रायपुर (212.7 करोड़ रुपये),होटल जिंजर,इन्फेरियन होटल एंड रिसॉर्ट, अम्यूजोरामा अम्यूजमेंट पार्क एंड होटल जैसे बड़े नाम शामिल हैं।

मेडिसिटी से बनेगा मेडिकल हब

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि नवा रायपुर में विकसित हो रहा मेडिसिटी छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर का बड़ा मेडिकल हब बनाएगा। प्रदेश के विभिन्न जिलों के साथ-साथ पड़ोसी राज्यों से भी यहां मरीज आते हैं। मेडिसिटी के निर्माण से स्वास्थ्य सेवाएं और मजबूत होंगी और विश्वस्तरीय सुपर स्पेशलिटी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में फार्मा सेक्टर में भी निवेश की अपार संभावनाएं हैं। प्रदेश सरकार फार्मा हब तैयार कर रही है, जहां एक ही स्थान पर अनेक फार्मा इंडस्ट्री अपना संचालन करेंगी। इससे प्रदेश में दवा उद्योग को नई दिशा मिलेगी और सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों के लिए आवश्यक दवाओं की आसान आपूर्ति सुनिश्चित होगी।

होटल और पर्यटन क्षेत्र में निवेश

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और जैव विविधता पर्यटन उद्योग के लिए अपार अवसर प्रस्तुत करती है। कार्यक्रम में होटल और पर्यटन क्षेत्र से भी 652 करोड़ रुपये

पर्यटन को उद्योग का दर्जा

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि पर्यटन को उद्योग का दर्जा दिया गया है और इससे निवेशकों को विशेष लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने आह्वान किया कि होटल, रिसॉर्ट, होम स्टे और मनोरंजन उद्योग से जुड़े उद्यमी प्रदेश की समृद्ध संस्कृति और प्रकृति का लाभ उठाकर पर्यटन को नई ऊँचाइयों तक ले जाएं।

निवेश प्रक्रिया की सरलता

मुख्यमंत्री साय ने निवेशकों को भरोसा दिलाते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में सिंगल विंडो वन क्लिक सिस्टम लागू है, जिसके कारण किसी भी उद्यमी को एनओसी के लिए भटकना नहीं पड़ता। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि दिल्ली में आयोजित इन्वेस्टर्स समिट के बाद पालीमैटेक कंपनी को तीन माह से भी कम समय में भूमि आवंटन और सभी स्वीकृतियाँ प्रदान कर दी गईं और उन्होंने 1,100 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट पर कार्य आरंभ कर दिया।

चैतन्य बघेल को ईओडब्ल्यू ने किया गिरफ्तार,6 अक्टूबर तक मिली रिमांड

रायपुर,24 सितम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के कथित शराब घोटाले मामले में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को एक बार फिर बड़ा झटका लगा है। हाईकोर्ट ने उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी, जिसके बाद रायपुर की स्पेशल कोर्ट में पेशी के दौरान उन्हें एससीबी-ईओडब्ल्यू ने गिरफ्तार कर 6 अक्टूबर तक के लिए रिमांड पर भेज दिया। इस दौरान ईओडब्ल्यू चैतन्य से विस्तृत पूछताछ कर कई अहम जानकारियां जुटाएगी। चैतन्य बघेल ने इससे पहले भी हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत के लिए याचिका दायर की थी, जिसे हाईकार्ट ने लिबर्टी (छूट) के साथ खारिज किया था। इसके अलावा उन्होंने अपनी गिरफ्तारी को चुनौती देने के लिए अलग याचिका भी दाखिल की थी, जिसकी सुनवाई जस्टिस अरविंद वर्मा की सिंगल बेंच ने आज की और फैसला सुरक्षित रखा। मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने चैतन्य बघेल को आरोपी बनाया है। छापेमारी और गिरफ्तारियों के बाद ईडी ने एसीबी में एफआईआर दर्ज कराई, जिसमें कहा गया कि घोटाले की कुल रकम 2000 करोड़ रुपये से अधिक है। इस घोटाले में राजनेता, आबकारी विभाग के अधिकारी और कारोबारी शामिल हैं। ईडी ने अपनी जांच में पाया कि तत्कालीन भूपेश बघेल सरकार के कार्यकाल में यह घोटाला आईएएस अफसर अनिल टुटेजा, आबकारी विभाग के एमडी,क्रत्रिपाठी और कारोबारी अनवर ढेबर के सिंडिकेट के माध्यम से अंजाम दिया गया। जांच में सामने आया कि शराब की बिक्री और वितरण से प्राप्त रकम का बड़ा हिस्सा अवैध रूप से कई माध्यमों से निवेश किया गया और सरकारी रिकॉर्ड में छुपा दिया गया।

चैतन्य को 16.70 करोड़ रुपए मिले-ईडी

दरअसल, शराब घोटाला और मनी लॉन्ड्रिंग केस में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने चैतन्य बघेल को भी आरोपी बनाया है। आरोप है कि शराब घोटाले की रकम से चैतन्य को 16.70 करोड़ रुपए मिले हैं। शराब घोटाले से मिले ब्लैक मनी को रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स में इन्वेस्ट किया गया। ईडी के मुताबिक चैतन्य बघेल ने ब्लैक मनी को वाइट करने के लिए फर्जी निवेश दिखाया है। साथ ही सिंडिकेट के साथ मिलकर 1000 करोड़ रुपए की हैंडलिंग (हेराफेरी) की है।

एफआईआर दर्ज करने टीआई ने वसूले 30 हजार,20 हजार लेकर आरोपी को भी छोड़ दिया,एसएसपी ने किया लाइन अटैच

बिलासपुर,24 सितम्बर 2025। बिलासपुर में तखतपुर थाना निरीक्षक (टीआई) अनिल अग्रवाल पर महिला से 30 हजार रुपये लेकर एफआईआर करने का आरोप है। टीआई ने आरोपी को मुचलका देने के लिए भी 20 हजार रुपये की उगाही कर ली। मामला सामने आने पर नाराज एसएसपी रजनेश सिंह ने टीआई अग्रवाल को जमकर फटकार लगाई। महिला को रुपये लौटाने की चेतावनी दी। जिसके बाद उन्हें लाइन अटैच भी कर दिया। उनकी जगह विवेक पांडेय को टीआई की जिम्मेदारी दी गई है। दरअसल, तखतपुर क्षेत्र में रहने वाली महिला ने छेड़खानी और लूटपाट की शिकायत की थी। महिला के पति ने आरोप लगाया कि जब वे शिकायत लेकर पहुंचे तो टीआई अनिल अग्रवाल ने पहले एफआईआर करने से इनकार कर दिया। इसके बाद पीड़ित महिला ने एक युवक के माध्यम से संपर्क किया। तब केस दर्ज कराने के लिए टीआई अग्रवाल ने 30 हजार रुपये की डिमांड की। पीड़ित ने एडवांस में 10 हजार रुपये भी दिए।

फिर एफआईआर होने के बाद बाकी रुपये दिए गए। रुपये लेने के बाद टीआई ने छेड़खानी का मामला दर्ज कर लिया, लेकिन एफआईआर में लूटपाट की धाराएं नहीं लगाई। पुलिस ने जब आरोपी को गिरफ्तार किया।

निवेशकों को 100 दिनों में रकम दुगनी करने का झांसा,5 करोड़ लेकर कंपनी संचालक फरार

रायपुर,24 सितम्बर 2025। राजधानी रायपुर में निवेश के नाम पर करोड़ों रुपये की ठगी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। टिकरापारा थाना क्षेत्र में एक कंपनी ने निवेशकों को महज 100 दिनों में रकम दुगनी करने का लालच देकर करोड़ों रुपये ऐंठ लिए।

ठगी का शिकार हुए पीड़ितों ने कंपनी के संचालक के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। फिलहाल आरोपी फरार है और पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई है। पीड़ित अनवर मोहम्मद ने बताया कि उन्होंने अपने अन्य मित्रों के साथ मिलकर कुल 5 करोड़ रुपये एक कंपनी में निवेश किए थे। इनमें से अधिकांश रकम ऑनलाइन ट्रांजेक्शन और कुछ नगद रूप में दी गई। तय समय पर रकम दोगुनी होकर वापस नहीं मिली,तो शक होने पर उन्होंने कंपनी संचालक से संपर्क किया,लेकिन कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। इसके बाद ठगी का एहसास होने पर अनवर मोहम्मद ने अपने मित्रों के साथ मिलकर टिकरापारा थाना में एफआईआर दर्ज कराई।

यूट्यूब के जरिए मिला कंपनी से संपर्क : जानकारी के अनुसार, अनवर मोहम्मद को यूट्यूब पर ए स्क्वायर कंसलटेंसी नामक कंपनी के बारे में जानकारी मिली थी। कंपनी की ओर से बड़े स्तर पर निवेश योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया जा रहा था। दावा किया गया था कि ट्रेडिंग और निवेश के जरिए मात्र 100 दिनों में पैसा दोगुना कर दिया जाएगा।

71 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण 64 लाख का इनामी नक्सली भी शामिल

दंतेवाड़ा,24 सितम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित जिले में सुरक्षा बलों की लगातार कार्रवाई का बड़ा असर देखने को मिला है। आज जिले में चलाए जा रहे लोन वर्राटू अभियान के तहत कुल 71 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया है। आत्मसमर्पण करने वालों में 50 पुरुष और 21 महिलाएं शामिल हैं। इन आत्मसमर्पित नक्सलियों में कई लंबे समय से पुलिस-नक्सली मुठभेड़ों में सक्रिय थे। इनमें सबसे बड़ा नाम बामन मड़काम का है,जिस पर पुलिस ने भारी इनाम घोषित कर रखा था। वह कई बड़ी नक्सली घटनाओं में शामिल रहा है।

64 लाख का इनामी नक्सली भी शामिल: पुलिस के अनुसार,आज आत्मसमर्पण करने वालों में से 30 नक्सली ईनामी हैं, जिन पर कुल 64 लाख रुपये का इनाम घोषित था। सभी नक्सलियों ने दंतेवाड़ा के एसपी और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष हथियार डाल दिए।

पुलिस ने जानकारी दी कि इन नक्सलियों को शासन की पुनर्वास नीति के तहत आवश्यक सहायता दी जाएगी,ताकि वे समाज की मुख्यधारा में जुड़कर सामान्य जीवन जी सकें। अधिकारियों ने इसे सुरक्षा बलों की लगातार दबाव बनाने की रणनीति और गांव-गांव तक पहुंचाए जा रहे विश्वास बहाली अभियान की बड़ी सफलता बताया है।

रायपुर नगर निगम में सियासी उठापटक

आकाश तिवारी को नकार कर संदीप साहू बने नेता प्रतिपक्ष

रायपुर,24 सितम्बर 2025। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष की कुर्सी को लेकर कांग्रेस में जबरदस्त खींचतान देखने को मिल रही है। कांग्रेस के 8 पार्षदों में से 5 पार्षदों ने पार्टी के निर्णय को ठुकराते हुए संदीप साहू को अपना नेता प्रतिपक्ष चुन लिया है। इससे आकाश तिवारी की दावेदारी खत्म मानी जा रही है। नगर निगम सभापति सूर्यकांत राठौर ने इस निर्णय की पुष्टि की है।

पार्षदों ने कहा- आकाश ने कांग्रेस के खिलाफ लड़ा चुनाव

23 सितंबर को रायपुर के पांच कांग्रेस पार्षदों–जयश्री नायक,दीप मनीराम साहू, रोनिता प्रकाश जगत, संदीप साहू और रेणु जयंत साहू–ने बैठक कर आकाश तिवारी के नाम पर सहमति देने से इंकार कर दिया। उनका कहना है कि आकाश तिवारी ने कांग्रेस से टिकट न मिलने पर निर्दलीय उम्मीदवार के

रूप में चुनाव लड़ा था, इसलिए वे उसे पार्टी के नेता के रूप में स्वीकार नहीं कर सकते। पार्षदों ने साफ किया कि उन्होंने पहले भी कांग्रेस संगठन को अपना विरोध दर्ज कराया था और आज भी वे अपने पुराने निर्णय पर अडिग हैं।

पार्टी बनाम पार्षद: कौन सही?

इस पूरे मामले में कांग्रेस का कहना है कि पीसीसी चीफ दीपक बैज ने आकाश तिवारी को नेता प्रतिपक्ष नियुक्त किया है और इसे लेकर विधिवत पत्र भी नगर निगम सभापति को सौंपा गया है। कांग्रेस का आरोप है कि बीजेपी इस विवाद को हवा देकर स्तरहीन राजनीति कर रही है।

वहीं, सभापति सूर्यकांत राठौर का कहना है कि जब तक निगम में पार्षदों की बहुमत राय संदीप साहू के पक्ष में है, तब तक उन्हीं को नेता प्रतिपक्ष माना जाएगा। उनका तर्क है कि उन्होंने सभी पार्षदों से लिखित अभिमत लिया है और उसके आधार पर निर्णय लिया गया है।

क्या बोले संदीप साहू?

नेता प्रतिपक्ष बनाए जाने के बाद संदीप साहू ने मीडिया से कहा कि, ÷पांच पार्षदों ने मुझे समर्थन दिया है। हमने संगठन को पहले ही अवगत कराया था कि हमें आकाश तिवारी का नेतृत्व स्वीकार नहीं। अब आगे का फैसला सभापति और संगठन को मिलकर लेना है, लेकिन पार्षदों की राय साफ है। रायपुर नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष को लेकर कांग्रेस के भीतर गुटबाजी खुलकर सामने आ गई है।

जहां एक ओर पार्टी नेतृत्व अपने निर्णय पर कायम है, वहीं बहुमत पार्षदों ने संगठन के फैसले को नकार दिया है। अब देखना होगा कि इस सियासी टकराव का अगला अध्याय क्या होता है, और क्या कांग्रेस इस मतभेद को समय रहते सुलझा पाएगी।

मां ने दिव्यांग बेटे को पेट्रोल डालकर जलाया,इलाज के दौरान हुई मौत,सामने आई चौंकाने वाली वजह

राजनांदगांव,24 सितम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां अटल आवास कॉलोनी की रहने वाली एक बुजुर्ग महिला ने अपने ही दिव्यांग बेटे पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। राजनांदगांव के अटल आवास कॉलोनी पेण्ड्री में एक ऐसा मामला सामने आया जिसने सभी को झकझोर दिया। यहां एक मां ने अपने ही दिव्यांग बेटे को आग के हवाले कर दिया। बेटे की इलाज के दौरान मौत हो गई और अब मां जेल की सलाखों के पीछे है। पुलिस रिपोर्ट के मुताबिक, मृतक विरेन्द्र साहू अपने परिवार के साथ अटल आवास कॉलोनी में रहता था। 22 सितंबर की सुबह उसका अपनी मां सुहागा बाई साहू से विवाद हुआ। बताया जाता है कि लगातार शराब पीने और गाली-गलौच करने से परेशान होकर मां ने यह खौफनाक कदम उठाया।

पेट्रोल डालकर लगाई आग

सुबह लगभग 9:45 बजे जब विरेन्द्र की पत्नी हिना बच्चों को स्कूल छोड़ने गई हुई थी, तभी मां सुहागा बाई ने अपने ही बेटे पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी और कमरे का दरवाजा बाहर से बंद कर दिया। वीरेंद्र चीखता चिल्लाता रहा। इधर पड़ोसियों की आवाज सुनकर हिना घर लौटी और पानी डालकर आग बुझाने की कोशिश की। इसके बाद एम्बुलेंस से गंभीर हालत में विरेन्द्र को शासकीय मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने काफी प्रयास किया लेकिन बुरी तरह झुलसने के कारण विरेन्द्र ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। इस घटना की सूचना मिलते ही थाना लालबाग पुलिस मौके पर पहुंची और मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की।

महिला को किया गिरफ्तार

मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी राजेश साहू ने टीम के साथ फरार मां की तलाश शुरू की। आरोपी सुहागा बाई साहू को गांधी चौक स्थित अपनी बहन-दमाद के घर से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसने अपराध स्वीकार करते हुए कहा कि उसका बेटा नशे और गाली-गलौज से कई वर्षों से परिवार को परेशान कर रहा था। जिसके चलते उसने यह कदम उठाया।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)